केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 252 गुरूवार 4 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बनकटी (बस्ती)। मुण्डेरवा पुलिस और सर्विलांस टीम ने एक देशी तमंचा 315 बोर व एक अदद जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।
थानाध्यक्ष मुण्डेरवा अभिमन्यु सिंह ने बताया कि अभियुक्त रविन्द्र पुत्र सतनु निवासी ग्राम उचगांव जमोहे टोला करियाबारी थाना मुण्डेरवा के पास से एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व एक मोबाइल एन्ड्रायड बरामद कर न्यायालय भेजा गया।

प्रेस क्लब में होली मिलन 4 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती.। प्रेस क्लब समागार में 04 अप्रैल गुरुवार को दिन में 12 बजे होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुये प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र तिवारी ने सभी पत्रकार साथियों से समय से पहुचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। उन्होने कहा होली सदभाव का त्योहार है और प्रेस क्लब कई वर्षों से यह आयोजन करता आ रहा है। इससे आपसी एकमा सुदृढ होती है और परंपराओं का बल मिलता है।

स्कूल चलो अभियान रैली निकली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
कुदरहा, (बस्ती)। पौली विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बछईपुर पर बुधवार को स्कूल चलो अभियान की रैली का शुभारम्भ मुख्य अतिथ खंड शिक्षाधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा व ग्राम प्रधान रमेश चंद्र यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही साथ रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संबोधित करते हुए कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा सिर्फ परिषदीय विद्यालयों में ही संभव है। योग्य शिक्षको द्वारा निःशुल्क शिक्षा दिया जा रहा है। इसके साथ ही साथ स्मार्ट क्लास व मूलभूत सुविधाओं से लैश कर दिया गया। अब परिषदीय विद्यालय कानवेंट विद्यालयों से शिक्षा क्षेत्र मे काफी आगे है। 6 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन कराए।
विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान महेंद्र यादव ने कहा कि ब्लाक का यह माडल विद्यालय है। यहां कायाकल्प योजना से सभी पैरा पूरा कर दिया गया है। यहां के शिक्षको द्वारा गुणवत्तायुक्त शिक्षा दी जा रही है। यहा के अभिभावक अपना बच्चा प्राइमरी स्कूल मे ही पढाते है। यहां कक्षा कक्ष कम होने से नो एडमिशन का बोर्ड लगाना पडता है। यहां के शिक्षको से ब्लाक के अन्य शिक्षको को अनुभव लेनी चाहिए।
कायाकल्प योजना के तहत विद्यालय में अच्छा कार्य करने पर ग्राम प्रधान को प्रशस्ति पत्र देकर खण्ड शिक्षाधिकारी व प्रधानाध्यापक ने सम्मानित किया। नव प्रवेशी बच्चों का कापी व पेन दे कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक व प्रधानाध्यापक विनोद पांडे ने किया।
कार्यक्रम में एआरपी हरिराम यादव, आदर्श मणि त्रिपाठी, ऋषि शंकर यादव, देवीचरन,रमेश, रामप्रवेश, आज्ञाराम, अमन, बबलू, सुमित्रा, प्रेमा, ईशा व माधुरी सहित तमाम शिक्षक व अभिभावक मौजूद रहे।

ताइवान में ताकतवर भूकंप से हिली धरती

नई दिल्ली (आभा)। ताइवान में आए तेज भूकंप ने सात लोगों की जान ली है. सैकड़ों घायल हुए हैं. भूकंप के बाद जारी सुनामी की चेतावनी रद्द की गई। ताइवान के सेंट्रल वेदर एडमिनिस्ट्रेशन (सीडब्ल्यूए) के मुताबिक, 3 अप्रैल की सुबह 7.2 तीव्रता वाला भूकंप आया. भूकंप का केंद्र ताइवान के दक्षिणपूर्वी शहर हुआलिएन के पास था. सीडब्ल्यू ने बताया कि भूचाल जमीन में 15.5 किलोमीटर की गहराई से निकला. इतिहास के सबसे भयानक भूकंप भूकंप के चलते कम–से–कम सात लोगों की मौत हुई है और 700 से ज्यादा घायल हैं.
दमकल विभाग ने जमींदोज इमारतों की संख्या 25 बताई है. इनमें से आधी हुआलिएन में हैं. ताइवान के प्रसारक टीवीबीएस ने कई धराशायी इमारतों की फुटेज दिखाई है. वीडियो में तिरछी हो चुकी कई इमारतें भी दिख रही हैं. भूकंप के बाद भी झटकों की चेतावनी ताइवान की राजधानी

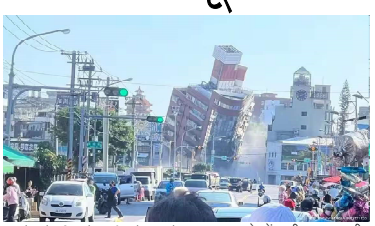

ताइपे के सिस्मोलॉजी सेंटर के डायरेक्टर वु शिएन–फू के मुताबिक यह '25 साल में आया सबसे तगड़ा भूकंप है. वू ने पत्रकारों को बताया, 'भूकंप जमीन के करीब था और शैलो था. इसका असर ताइवान और उसके द्वीपों पर महसूस किया गया। ताइवान में इससे पहले 1999 में बेहद ताकतवर भूचाल आया था. रिक्टर पैमाने पर उसकी तीव्रता 7. 6 थी. उस भूकंप ने 2,400 लोगों की जान ली। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि तेज भूकंप के बाद आने वाले झटके आने वाले दिनों में द्वीप को फिर से हिला सकते हैं. वू ने चेतावनी देते हुए कहा है, 'जनता को महत्वपूर्ण चेतावनियों और संदेशों पर ध्यान देना चाहिए और भूकंप के बाद बाहर निकलने के लिए तैयार रहना चाहिए' ताइवान नियमित रूप से भूगर्भीय हलचल पर नजर रखता है. द्वीप दो टेक्टॉनिक प्लेटों के जुड़ाव के नजदीक स्थित है. टेक्टॉनिक प्लेटों की हलचल के कारण ही ताइवान के पड़ोसी जापान में हर साल करीब 1,500 भूकंप आते हैं. सुनामी की चेतावनी रद्द ताइवान के तटीय इलाके से उठे भूकंप के बाद जापान और फिलीपींस ने सुनामी की चेतावनी भी जारी की थी. जापानी प्रशासन को आशंका थी कि कई मीटर ऊंची समुद्री लहरें उनके दक्षिणी द्वीपों से टकरा सकती हैं. फिलीपींस ने भी अपने तटीय इलाकों के लिए ऐसी ही चेतावनी जारी की थी।

सांसद हरीश द्विवेदी के मारपीट के मामले में सुनवाई 25 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मारपीट के एक घटना में आरोपी सांसद हरीश द्विवेदी व उनके दो भाइयों के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में केस चल रहा है। इस मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सुनवाई की। सीजेएम आशीष कुमार ने इस मामले की अगली सुनवाई 25 अप्रैल तय की है। गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान के दिन नगर थानाक्षेत्र के तेलियाजोत गांव में बनाए गए पोलिंग बूथ पर लोकसभा प्रत्याशी पंकज दुबे के साथ मारपीट की घटना सामने आई थी। इस प्रकरण में पीड़ित पंकज दुबे ने कार्रवाई नहीं होने पर कोर्ट की शरण ली। अदालत ने मामले की सुनवाई कर पुलिस को सांसद व उनके दोनों भाइयों के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने सांसद हरीश द्विवेदी व उनके भाई सुभाष दुबे व गर्जन दुबे के खिलाफ मारपीट व धमकी देने का केस दर्ज किया था। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एमपी–एमएलए कोर्ट की अदालत में चल रही है।

छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ डेल्ही पब्लिक सीनियर स्कूल में अभिभावकों के लिये बनेगा स्वास्थ्य कार्ड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। डेल्ही पब्लिक सीनियर स्कूल पचपेडिया रोड में छात्रों की पढाई के साथ ही उन्हें निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करायी जायेगी जिससे वे डाक्टर, इंजीनियर के साथ ही अनेक विधाओं में अवसर प्राप्त कर सके। यह जानकारी देते हुये प्रबंधक अमरमणि पाण्डेय ने बताया कि छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ ही छात्र और अभिभावकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराने के साथ ही अभिभावकों का स्वास्थ्य कार्ड बनवाकर उन्हें न्यूरो, गायनी, गैस्ट्रो के साथ ही अन्य किसी बीमारी के इलाज की सुविधा दिया जायेगा और परामर्श शुल्क नहीं लिया जायेगा।
बताया कि यूरो किड्स में 15 अप्रैल तक प्रवेश लेने पर विशेष छूट की व्यवस्था है। छात्रों का प्रवेश शुल्क निःशुल्क है। छात्रों और अभिभावकों का मेडिकल परीक्षण निःशुल्क कराया जा रहा है। कक्षा 4 से 8 तक में प्रवेश परीक्षा 7 अप्रैल को दिन में 10 बजे से 12 बजे तक होगी।
प्रधानाचार्य अर्चना पाण्डेय ने बताया कि बेहतर शिक्षा के साथ ही छात्रों को संस्कृत और उर्दू व अरबी की भी शिक्षा दी जायेगी। शिक्षा के साथ ही डेल्ही पब्लिक सीनियर स्कूल द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बताया कि कक्षायें 4 अप्रैल गुरुवार से आरम्भ हो जायेगी।

मुख्य न्यायाधीश के सामने काट लिया गला

बेंगलूर (आभा)। कर्नाटक हाईकोर्ट से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने हाईकोर्ट के अंदर कोर्ट हॉल वन में मुख्य न्यायाधीश निलय विपिनचंद्र अंजारिया के सामने चाकू से अपना गला काटकर कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मैसूर के रहने वाले श्रीनिवास ने कोर्ट हॉल वन के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कर्मचारियों को एक फाइल सौंपी और इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता कि हो क्या रहा है, उसने मुख्य न्यायाधीश अंजारिया की मौजूदगी में अपना गला काट लिया।
एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अदालत परिसर में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उस व्यक्ति को तत्काल बचाया और उसे एक नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया जहां उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा, "हमें नहीं मालूम है कि उसने यह अतिवादी कदम क्यों उठाया। वह अदालत के हॉल नंबर एक में पहुंचा और उसने एक चाकू से अपना गला रेत लिया। वहां तैनात हमारे सुरक्षाकर्मियों ने यह देखा और उन्होंने तत्काल उसे बचा लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बस्ती में 15 जून तक धारा 144

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जिला मजिस्ट्रेट अंद्रा वामसी ने पूरे जनपद में तत्काल प्रभाव से 15 जून 2024 तक धारा 144 का प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिया है। इस संबंध में उन्होने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के दृष्टिगत जनपद में शान्तिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सकुशल निर्वाचन कराये जाने हेतु जनहित में निर्वाचन समाप्ति तक प्रभावी रहेंगा।
उन्होने बताया कि जनपद में 25 मई को मतदान एवं 04 जून को मतगणना सकुशल एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत शान्ति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था चुस्त–दुरूस्त रखने के लिए ये आदेश लागू किए गये है। इसका उल्लंघन भारतीय दण्ड संहिता की धारा–188 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा।
उन्होने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का प्रतिबन्धित/अवैध अस्त्र–शस्त्र जैसे आग्नेयास्त्र, बन्दूक, पिस्टल, राइफल, रिवाल्वर, तलवार, कटार, गुप्ती, चाकू, लाठी, स्टिक, भाला, बरछा, फरसा, गड़ासा एवं किसी भी प्रकार का विस्फोटकर पदार्थ जैसे–हथगोला, बारूद, तेजाब आदि लेकर नही चलेगा। उन्होने कहा कि लाइसेंसी शस्त्र धारको को खुलेआम शस्त्र लेकर चलने पर प्रतिबन्धित किया गया है।
लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 की अधिसूचना जारी होने के उपरान्त प्रभावी आदर्श आचार संहिता का सभी राजनैतिक दलों/व्यक्तियों तथा जन–सामान्य द्वारा अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। कोई भी दल/उम्मीदवार सभा/रैली/जुलूस का आयोजन सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति लेकर ही करेंगे एवं इसमें प्रतिबन्धित असलहे/लाठी–डण्डे/ईंट–पत्थर आदि लेकर चलना पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगें। पाँच या पाँच से अधिक व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर इकट्ठे नहीं होंगे। सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर आई०टी० एक्ट के अन्तर्गत भी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा।
उन्होने कहा कि राजनैतिक दलों/धार्मिक संगठनों तथा समस्त विभागों के समस्त सरकारी सेवको तथा मान्यता प्राप्त संघ/महासंघ/परिसंघ को धरना, सांकेतिक प्रदर्शन अथवा हड़ताल का आयोजन पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेंगा, जिससे किसी जाति विशेष अथवा धर्म विशेष व्यक्तियो को आघात पहुँचे तथा कानून एवं शान्ति व्यवस्था कुप्रभावित हो। उन्होने बताया है कि यह आदेश डयूटी पर तैनात सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों, सिक्ख सुरक्षा के धार्मिक हथियार के रूप में कृपाण धारण करने, बूढे/दिव्यांग के छड़ी/लाठी का प्रयोग करने, शव यात्रा, वैवाहिक कार्यक्रम करने वाले लोगो पर लागू नही होंगा किन्तु ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग के लिए पूर्व अनुमति लेनी होंगी।

केजरीवाल की गिरफ्तारी मामले में सुनवाई पूरी, हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली (आभा)। अरविंद केजरीवाल को राहत मिलेगी या उनकी मुश्किलें जारी रहेंगी? इसका फैसला करने को दिल्ली हाई कोर्ट में बुधवार को लंबी बहस हुई। अरविंद केजरीवाल की याचिका पर बहस के बाद हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। केजरीवाल ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। एक दिन पहले ही इस केस में आप के राज्यसभा सांसद को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है।
जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की पीठ के अरविंद केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए तो ईडी का पक्ष एएसजी एसवी राजू ने रखा। सिंघवी ने जहां केजरीवाल को निर्दोष बताते हुए उनकी गिरफ्तारी की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि चुनाव में हिस्सा लेने से रोकने के लिए ऐसा किया गया है। वहीं, ईडी ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि घोटाला हुआ है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने दावा किया कि उसके पास केजरीवाल के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं।
एएसजी ने कहा कि यह तथ्य कि धनशोधन का अपराध हुआ है, इसमें कोई संदेह नहीं है। अदालत इस अपराध पर संज्ञान ले चुकी है। संज्ञान अपराध पर होता है, अपराधी पर नहीं। अपराध पर संज्ञान के बाद

आरोपियों को लेकर जांच होती है। जोकि इस मामले में भी हो रही है। आरोपियों की जांच को लेकर बाधा उत्पन्न नहीं की जा सकती। एएसजी ने कहा कि आज केजरीवाल का रवैया यह है कि वह एक संत है। लेकिन वास्तव में केजरीवाल ने जो किया है वह बहुत ही चतुराई से किया है। ईडी ने कड़ी मेहनत से सबूत ढूंढे हैं।
राजू ने चुनाव से पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा 'सोचिए कि कोई चुनाव से दो दिन पहले हत्या कर देता है। इसका मतलब कि उसे गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है? इसमें बेसिक स्ट्रक्चर (संविधान) आ जाता है। अपराधियों को गिरफ्तार करके जेल में डालना होता है।' एएसजी राजू ने कहा कि आम आदमी जेल जाते हैं लेकिन मैं सीएम हूं तो क्या देश को लूट सकता हूं? पैसे बना सकता हूं और रिश्वत ले सकता हूं।
बार एंड बेंच के मुताबिक बहस के बीच एएसजी राजू ने कहा– हम आम आदमी पार्टी की कुछ प्रॉपर्टी भी जब्त करना चाहते हैं। यदि हम ऐसा करेंगे तो कहा जाएगा कि चुनाव के टाइम पर ये सब किया? यदि हम नहीं करते हैं तो कहा जाता है कि सबूत कहां हैं? इसलिए मैं कुछ दुविधा में हूं। राजू ने कहा, '5 पर्सेंट प्रॉफिट को 12 पर्सेंट क्यों किया गया। यह इसलिए किया गया ताकि 7 पर्सेंट की रिश्वत ली जा सके। घोटाला हुआ है यह बात संदेह से परे है। कितना भी आप शोर मचा लो यह बात तय है कि घोटाला हुआ है। इंडो स्प्रिट को शिकायत के बावजूद लाइसेंस दिया गया। जिन्होंने रिश्वत नहीं दी उन्हें लाइसेंस वापस करने को कहा गया।

यूपी पुलिस पेपर लीक मामले में मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा गिरफ्तार

मेरठ (आभा)। यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वाले एक मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा को एसटीएफ की मेरठ यूनिट ने नोएडा से गिरफ्तार किया है। आरोपी राजीव नयन मिश्रा और उसके गिरोह ने मिलकर ही यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर अहमदाबाद से लीक कराया था। इसके बाद हजारों की संख्या में इस पेपर को अभ्यर्थियों को पढ़ाया गया और मोटी कमाई की गई थी।
यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा 17 और 18 फरवरी 2024 को आयोजित कराई गई थी। परीक्षा से पहले ही पेपर एक गिरोह ने गुजरात के अहमदाबाद

स्थित टीसीआई कंपनी के वेयरहाउस से लीक करा लिया था। इसके बाद इस पेपर को अभ्यर्थियों को पढ़ाया गया था। खुलासा होने के बाद सरकार ने परीक्षा निरस्त करते हुए जांच एसटीएफ को दी थी। एसटीएफ की मेरठ यूनिट ने इसी मामले में खुलासा करते हुए एक के बाद एक कई आरोपियों की धरपकड़ की थी। अभी तक 12 आरोपी एसटीएफ की मेरठ टीम गिरफ्तार कर चुकी है। खुलासा किया गया था कि रवि अत्री निवासी गौतमबुद्धनगर, राजीव नयन मिश्रा निवासी प्रयागराज और अभिषेक शुक्ला समेत कई लोगों ने गिलकर पेपर आउट कराया था। इसके बाद इस पेपर को मानेसर के नेचर वैली रिसॉर्ट और मध्य प्रदेश के रीवा में भी एक रिसॉर्ट में पढ़ाया गया था। करीब 2000 से ज्यादा अभ्यर्थियों को इस पेपर को दिया गया था। इस मामले में एसटीएफ की मेरठ यूनिट ने अब राजीव नयन मिश्रा को नोएडा से गिरफ्तार किया है। आरोपी को फिलहाल कंकरखेड़ा थाने में रखा गया है।

94 असलहों को जमा करने से छूट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के मद्देनजर जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा कुल 94 असलहों को जमा करने से छूट प्रदान की गयी है। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी बैठक में छूट के लिए प्राप्त सभी आवेदन पत्रों पर विचार–विमर्श किया गया। इसमें 6 आवेदन पत्रों को निरस्त किया गया है। इस संबंध में कुल 100 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे। बैठक में पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी, एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी/एआरओ बस्ती शुभ्रू पाठक, सीओ सदर विनय सिंह चौहान उपस्थित रहें।
जिलाधिकारी ने बताया कि तहसीलों मे उप जिलाधिकारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी संयुक्त रूप से स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक करके असलहों को जमा करने से छूट प्रदान करने की समीक्षा करेंगे। कोतवाली क्षेत्र में अभी भी कुल 187 असलहें जमा नही हुए है। इस संबंध में सीओ सदर ने बताया कि 100 असलहें अनट्रेसेबुल है। जिलाधिकारी ने इस संबंध में रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। 40 असलहें ऐसे है, जो बस्ती के निवासी है तथा अन्य जनपदों या राज्यों में शासकीय सेवा में है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि अवशेष 47 असलहे जमा कराकर रिपोर्ट प्रेषित करें।

महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने किया विद्यालय का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। नगर पंचायत गनेशपुर के दर्शननगर सियरहवा स्थित सिटी पब्लिक स्कूल का उद्घाटन कार्यक्रम जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार को सम्पन्न हुआ। विद्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि अयोध्या नगर निगम के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी तथा विशिष्ट अतिथि सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव और पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। विद्यालय के प्रबंधक उदय शंकर शुक्ल ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण करके स्वागत किया।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि अच्छी शिक्षा ही समाज को नई दिशा दे सकती है। इसके लिए स्कूलों पर बच्चों के संस्कारों की भी जिम्मेदारी होती है। कहा कि विद्यालय खुलने से क्षेत्र में शिक्षा को नया आयाम मिलेगा। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव ने कहा कि विद्यालय खोलना सबसे पुनीत कार्य है क्योंकि शिक्षा से ही समाज, राज्य व देश का भला संभव है। पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि किसी क्षेत्र के विकास में शिक्षा का सबसे बड़ा योगदान है। विद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कृति और अनुशासन का विकास भी आवश्यक है। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि जब समाज शिक्षित होगा तभी सबको अपने सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक अधिकारों के प्रति जानकारी मिल सकेगी। कहा कि देश के विकास में शिक्षा के बढ़ते स्तर की महती भूमिका है। सभी अतिथियों ने विद्यालय के प्रबंधक उदय शंकर शुक्ल को शुभकामना दिया। विद्यालय के प्रबंधक उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि विद्यालय खोलने का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है और हम इस बात का विश्वास दिलाते हैं की जो उद्देश्य है वह जरूर पूरा होगा।
उद्घाटन अवसर पर बाल्मीकि सिंह, अखिलेश मिश्र, प्रेमशंकर ओझा, शैल शुक्ल, सतीश शंकर शुक्ल, देवेंद्र वर्मा, संतोष कुमार शुक्ल, रीता शुक्ला, राजकुमार शुक्ल, सूर्य प्रकाश शुक्ल, अवनीश त्रिपाठी, विजय प्रताप वर्मा, इं राजेश विश्वकर्मा, दयाशंकर पाल, अमित शुक्ल, रवीन्द्र मिश्र, पवन मिश्र, आकाश, अजय, अमित, राजकुमार, प्रिंस पाण्डेय, चंद्रमान, राजेश, प्रेमचंद, सूर्यनाथ के साथ ही अनेक शिक्षक एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

डीएम ने दिया बस्ती में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने का निर्देशः सड़क पर कूड़ा फेका तो लगेगा अर्थदण्ड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । नगरपालिका बस्ती क्षेत्र में सभी सड़को पर अतिक्रमण हटाने का अभियान संचालित करने के लिए जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने ईओ नगरपालिका को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित अधिकारियों एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि सड़को के दोनों तरफ बनी नालियों से बाहर जो भी अतिक्रमण होगा, उसे हटाया जायेगा, सड़क पर कूड़ा फेंकने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी किया जायेंगा तथा अर्थदण्ड लगाया जायेंगा। उन्होने निर्देश दिया है कि स्पोर्ट्स स्टेडियम के पास सब्जी मण्डी को हटाकर अमहट घाट पर शिफ्ट किया जायेंगा। उन्होने ईओ नगरपालिका को निर्देशित किया है कि जगह–जगह पर लगने वाले सब्जी एवं फलों के ठेलों के लिए शहर में कुछ स्थान चिन्हित करें ताकि इन्हें वहाँ पर शिफ्ट किया जा सकें। उन्होने व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों से कहा कि वे व्यापारी समुदाय के साथ बैठक करके शहर को सुन्दर एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति बनायें।
उन्होने नगरवासियों एवं व्यापारियों से अपील किया है कि वे स्वयं से अपने दुकानों के सामने से अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करें। साफ–सफाई के लिए अपनी दुकानों से बड़ा डस्टबिन रखें तथा नगरपालिका की गाड़ी आने पर उसमें डालें। नगरपालिका द्वारा भी जगह–जगह पर डस्टबिन लगाये जायेंगे। उन्होने कहा कि जिसकी दुकान के सामने सड़क पर कूड़ा पाया जायेंगा उस पर अर्थदण्ड लगाया जायेंगा। उन्होने असंतोष व्यक्त किया कि अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम के समय हाईवे पर साफ–सफाई करायी गयी थी परन्तु पुनः वहाँ पर गन्दगी होने लगी है। बैठक में व्यापार संगठन के जगदीश अग्रहरी तथा सुनील गुप्ता ने आवश्यक सुझाव दियें।
पूरे शहर में विद्युत, इन्टरनेट एवं केबिल के तारों के जाल को समाप्त करने तथा उन्हें सुव्यवस्थित ढंग से लगाने के लिए जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने विद्युत विभाग तथा केबिल कम्पनियों के अधिकारियों को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होने कहा कि दोनों विभाग संयुक्त बैठक करके कार्ययोजना तैयार करें तथा प्रतिदिन जर्जर, ढीले एवं अव्यवस्थित तारों को सुव्यवस्थित कराये।
जिलाधिकारी ने कहा कि कचहरी से दक्षिण दरवाजा, रोडवेज से रेलवे स्टेशन, रोडवेज से फैब्बारा चौराहा तथा कम्पनीबाग से बडेवन शहर की प्रमुख चार सड़क है, यहाँ से अधिकाधिक लोगों का आवागमन होता है, इसलिए आवश्यक है कि शहर को सुन्दर एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए ढीले तारों को सुव्यवस्थित रखा जाय। अनावश्यक तारों को हटाया जाय।
एडीएम कमलेश चन्द्र ने बताया कि आगामी 25 मई को जनपद में लोकसभा सामान्य निर्वाचन का मतदान कराया जायेंगा। इस दिन लगभग 50 प्रतिशत मतदेय स्थलों का मतदान प्रक्रिया का वेबकास्टिंग कराया जायेंगा, जिसे जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्वाचन आयोग द्वारा मानीटर किया जायेंगा। उन्होने इन्टरनेट कम्पनियों को निर्देशित किया है कि 25 मई को नेट की उपलब्धता तथा हाई फिक्वेन्सी सुनिश्चित कराये। बैठक में ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर शुभ्रू पाठक अधिशासी अभियन्ता विद्युत महेन्द्र मिश्र एवं मनोज कुमार तथा इन्टरनेट कम्पनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 अप्रैल 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

लोकतंत्र की डगर पर

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि राष्ट्रीय चुनावों में विपक्षी दलों को मुकाबले में चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ कितने समान अवसर मिलते हैं। हाल के दिनों में पार्टी के बकाया कर मामले में कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उसके खाते सील होने के चलते उसे चुनाव लड़ने में दिक्कत हो रही है। वह अपने प्रत्याशियों को हवाई टिकट नहीं दे पा रही है। यह भी कि वह बड़ी चुनावी रैलियां नहीं कर पा रही है। आरोपों की तार्किकता और देश में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली पार्टी का वित्तीय प्रबंधन अपनी जगह है, लेकिन किसी भी मुकाबले का नैतिक नियम यही है कि चुनावी मुकाबले में हर राजनीतिक दल को बराबर का अवसर दिया जाए। बहरहाल, अब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को वचन दिया है कि जुलाई तक आयकर विभाग कांग्रेस से बकाया तीन हजार पांच सौ करोड़ से अधिक के कर वसूलने के बाबत कोई भी कठोर कदम उठाने से परहेज करेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में कुछ ही हफ्ते बाकी रह गये हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को राहत देने के चलते यह प्रकरण कर मामलों के राजनीतीकरण के बाबत प्रासंगिक प्रश्न भी उठाता है। यही वजह है कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल 'कर आतंकवाद' के जरिये राजनीतिक लाभ उठाने के लिये राज्यतंत्र का दुरुपयोग कर रहा है। यह प्रकरण इन्हीं आरोपों की कड़ी को विस्तार देता है। निश्चित रूप से, बार–बार आयकर विभाग की चेतावनी और ठीक चुनाव से पहले कांग्रेस के फंड पर रोक कई सवालों को जन्म देती है। जो किसी भी स्वतंत्र लोकतंत्र की पारदर्शी व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाता है क्योंकि ऐन चुनाव के वक्त पार्टी फंड पर रोक लगाने से कोई भी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार अभियान में पंगु हो जाता है। जो किसी भी लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता।

बहरहाल, चुनाव के कुछ समय बाद तक आयकर बकाया मामले में कांग्रेस के खिलाफ आयकर विभाग द्वारा कोई कार्रवाई न करने का वायदा निश्चित रूप से कांग्रेस को तात्कालिक वित्तीय दबाव से कुछ राहत जरूर देगा। लेकिन यह कदम कर कानून प्रवर्तन में निष्पक्षता और पारदर्शिता की अंतर्निहित चिंताओं का समाधान प्रदान नहीं करता है। निश्चित रूप से ऐसे मामलों में निष्पक्ष रूप से निर्णय लेने में न्यायपालिका की भूमिका कानून के शासन को स्थापित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाती है। इसी आरोप–प्रत्यारोप वाले राजनीतिक परिदृश्य में बीते रविवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ रैली' हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को देश के जनमानस के सामने रखती है। विपक्षी नेताओं का आरोप रहा है कि असहमति की आवाज को दबाने के लिये सत्तारूढ़ दल सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है। नेताओं ने विपक्षी नेता अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को राजनीतिक दुराग्रह से की गई कार्रवाई के रूप में दर्शाया है। बहरहाल, विपक्षी गठबंधन में तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद सरकारी एजेंसियों द्वारा विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करने के मुद्दे ने विपक्षी दलों में प्राणवायु का संचार किया है। इसी मुद्दे को लेकर संयुक्त मोर्चा जन समर्थन जुटाना चाहता है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों ने चुनाव आयोग से मांग की है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई पर रोक लगे। वहीं कथित चुनावी कदाचार की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जाए। यानी चुनाव प्रक्रिया के दौरान संस्थागत निष्पक्षता से ही लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। निश्चित रूप से देश के लोकतांत्रिक ढांचे में जनता का भरोसा तभी कायम रह पाएगा जब चुनावी प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर सुनिश्चित किए जाएंगे। इस चुनावी प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डालने का कोई प्रयास व किसी भी तरह की ऊंच–नीच की कोई धारणा लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर ही करती है।

क्या पलटूरामों को सबक सिखायेंगे मतदाता

—विश्वनाथ सचदेव—

गुजरात के प्रतिष्ठित कवि हैं वे। उस दिन टेलीफोन पर क्रिकेट मैच देखते हुए अचानक बोले, 'हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं?' क्या नहीं कर सकते हैं हम, जब उनसे यह पूछा तो उन्होंने कहा, 'वही, जो क्रिकेट के दर्शक कर रहे हैं।' फिर उन्होंने जैसे समझाते हुए कहा था, 'हार्दिक गुजरात से खेलता था, वह पाला बदलकर मुंबई की टीम का कप्तान बन गया है। दर्शक इस पलटूराम को स्वीकार नहीं कर रहे, इसलिए उसके खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। हम अपने राजनेताओं के साथ ऐसा क्यों नहीं कर सकते? हमें भी उनका बहिष्कार कर देना चाहिए।' और फिर हम हंस दिये थे।

यह सवाल सिर्फ हंसने वाला नहीं था। चुनाव का मौसम चल रहा है। आये दिन नेताओं के पाला बदलने की खबरें आ रही हैं। फलाना नेता फलाना दल छोड़कर फलाने दल में चला गया है, फलाना नेता घर–वापसी कर गया है, फलाने नेता ने कल रात दल न बदलने की कसम खायी थी, आज सवेरे वह फिर दल बदलू बन गया है, अखबारों में इस तरह के शीर्षक आम बात हो गये हैं। टी.वी. चैनलों पर चटकारे ले–लेकर इस आशय की खबरों को सुनाया–दिखाया जा रहा है। न दल बदलुओं को अपनी कथनी–करनी पर शर्म आ रही है और न ही राजनीतिक दलों को कोई संकोच हो रहा है उनका स्वागत करने में जिन्हें कल तक वह भ्रष्टाचारी, बेईमान, धोखेबाज जैसे विशेषणों से नवाजा करते थे। मेरा गुजराती कवि मित्र ऐसे ही लोगों की बात कर रहा था? पर कौन सुन रहा है उसकी बात?

लेकिन इस आवाज को सुना जाना जरूरी है। खास तौर पर जनतांत्रिक व्यवस्था में जहां मतदाता उम्मीदवार की नीतियों, बातों पर भरोसा करके उसे अपना प्रतिनिधि चुनता है। ऐसे निर्वाचित प्रतिनिधियों का कोई अधिकार नहीं बनता कि वे अपने मतदाता के साथ इस तरह की धोखेबाजी करें।

हां, ऐसे दलबदलुओं को धोखेबाज ही कहा जा सकता है जिनके लिए येन–केन प्रकारेण सत्ता में हिस्सेदारी करना ही राजनीति का उद्देश्य है। दुर्भाग्य यह है कि इस धोखेबाजी को हमारी राजनीति में ही नहीं, हमारे जीवन में भी स्वीकार कर लिया गया है! जनता की, जनता के लिए, और जनता द्वारा चुनी गयी सरकार वाली व्यवस्था में यह मानकर चला जाता है कि चुने हुए प्रतिनिधि कुछ नीतियों–कार्यक्रमों के आधार पर जनता के हित में काम करेंगे। मतदाता भी कुछ घोषित नीतियों और आश्वासनों के आधार पर अपना प्रतिनिधि चुनते हैं और यह मानकर चला जाता है कि सत्ता में होने के अपने कार्य–काल में चुने हुए नेता और राजनीतिक दलगत उन नीतियों और आश्वासनों के अनुरूप कार्य करेंगे। दलगत राजनीति वाली जनतांत्रिक व्यवस्था में कुछ नीतियों के आधार पर दलों का गठन होता है और यह अपेक्षा होती है कि राजनीतिक दल अपनी घोषित नीतियों के प्रति ईमानदार रहेंगे। पर अक्सर ऐसा होता नहीं। पिछले 75 सालों में हमने राजनीतिक दलों और राजनेताओं की सिद्धांतहीन और अनैतिक राजनीति के ढेरों उदाहरण देखे हैं।

इस समय देश में 18वीं लोकसभा की चुनाव प्रक्रिया चल रही है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों के चयन में लगे हैं और राजनेता उन राजनीतिक दलों का दामन पकड़ने की कोशिश में हैं जो उन्हें जीत की कच्ची–पक्की गारंटी दे सकते हैं। उम्मीदवारों के चयन का आधार सिर्फ उनके जीतने की संभावनाएं ही हैं। यह बात कोई मायने नहीं रखती कि वे कैसे जीतते हैं– बस जीतना चाहिए।

जनतांत्रिक व्यवस्था सिर्फ एक प्रणाली नहीं है, एक जीता–जागता विचार है यह प्रणाली। बहुमत के आधार पर घोषित नीतियों के अनुसार शासन चलाने के लिए व्यक्तियों–दलों को चुना जाता है। उम्मीद की जाती है कि उन नीतियों का पालन होगा। इस प्रणाली में मतदाता सिर्फ अपना प्रतिनिधि ही नहीं चुनता, निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन के संदर्भ में अपने विचार भी स्पष्ट करता है। मतदाता के इन विचारों का सम्मान होना ही चाहिए। पर, इस संदर्भ में हम जो कुछ अपने देश में होता देख रहे हैं, वह कुल मिलाकर निराश ही करता है। पिछले 75 सालों में हमने बार–बार इस बात को देखा है कि चुने जाने के बाद राजनेता और राजनीतिक दल सिर्फ आश्वासनों को ही नहीं भूलते, उन नीतियों–मूल्यों को भी याद रखने की आवश्यकता नहीं समझते जिनकी दुहाई देकर वे सत्ता में पहुंचते हैं। चुने जाने के लिए दल बदलना ऐसे ही सत्ताकामी सोच का उदाहरण है।

ऐसा नहीं है कि इस विसंगति की ओर कभी, या किसी का ध्यान नहीं गया। ध्यान गया था। इसीलिए कुछ ऐसी व्यवस्थाएं भी बनायी गयीं जो दल–बदल से उत्पन्न अराजक स्थिति को कुछ संवारे। लगभग चालीस साल पहले वर्ष 1985 में देश में दल–बदल विरोधी कानून भी बना था। पर तू डाल–डाल मैं पात–पात वाली स्थिति बनती रही। दलबदलुओं को हेय दृष्टि से भी देखे जाने की बात कही जाती है, पर व्यवहार में जो कुछ दिख रहा है वह 'शर्म इनको मगर नहीं आती' का उदाहरण ही प्रस्तुत करने वाला है। दल–बदल करने वाले किसी नेता को कभी शर्मिंदा होते नहीं देखा गया। उल्टे विचारों और सिद्धांतों की राजनीति को ही एक शर्मनाक स्थिति में पहुंचा दिया गया है। मर जाऊंगा, पर अब फलां दल के साथ नहीं जाऊंगा कहने वाले, और ईमानदार राजनीति का दावा करने वाला बिना किसी हिचक के दल–विशेष की शरण में चला जाता है और घोषणा करने लगता है कि 'अब इधर–उधर नहीं जाना है।'

ऐसे दल–बदलुओं के नाम गिनाने की आवश्यकता नहीं है। हर दल में ऐसे लोग मिल जाएंगे। मजे की बात यह है कि ऐसा दल–बदल हमेशा समाज और देश की सेवा के नाम पर होता है! हर दल बदलू यह दावा करता है कि वह ईमानदार राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है– दल बदलने में उसका कोई निजी स्वार्थ नहीं है!

जैसा कि स्वाभाविक है, दल–बदलू अक्सर सत्तारूढ़ दल की ओर ही आकर्षित होते हैं। ताजा उदाहरण हाल के सालों का है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सन् 2014 और 2021 के बीच 7 सालों में 426 दलबदलू अपने दल छोड़कर केंद्र में सत्तारूढ़ दल भाजपा में शामिल हुए थे। इनमें 253 विधायक हैं और 173 सांसद। इसकी तुलना में कांग्रेस पार्टी में कुल 176 दल–बदलू शामिल हुए थे। यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि दलबदलुओं को सत्तारूढ़ दल ही ज्यादा आकर्षित क्यों करता है? पूछा तो यह भी जाना चाहिए कि संसद में भारी–भरकम बहुमत वाले भाजपा जैसे दल को दलबदलुओं की आवश्यकता क्यों महसूस होती है?

इस संदर्भ में एक सवाल तो मतदाता से भी बनता है वह क्यों ऐसे राजनेताओं को समर्थन देता है जिनके दामन पर दल–बदलू होने का दाग हो? फिर, कोई व्यवस्था तो ऐसी भी होनी चाहिए जिसमें सिद्धांतहीन राजनीति पर कोई अंकुश लग सके। और कुछ नहीं तो सत्ता के लालच में दल बदलने वालों को शर्मिंदा करने की कोई कोशिश तो हो ही सकती है। आईपीएल में अपनी टीम बदलने वाले खिलाड़ी के खिलाफ स्टेडियम में नारेबाजी भले ही संगत न लगे, पर राजनीति के मैदान में तो ऐसा कुछ होना ही चाहिए कि मतदाता अपने निर्वाचित प्रतिनिधि से यह पूछ सके कि तुम्हें सिद्धांतहीन पाला–बदल करने में शर्म क्यों नहीं आती?

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

खुद डाक्टर बन जाने के खतरे

—सोनम लवंशी—

बदलती जीवन शैली और खानपान के कारण हर व्यक्ति कभी न कभी बीमार जरूर होता है। खुद नहीं होता तो उनके परिवार में उसे इस स्थिति का सामना जरूर करना पड़ता है। डॉक्टर के पास बीमारी का इलाज कराने जाते हैं व उसकी सलाह से दवाई लेते हैं। पर खतरनाक बात यह कि आजकल लोग बीमारियों का इलाज डॉक्टर से करवाने के बजाय ये काम भी खुद ही करने लगे हैं। जरूरी नहीं कि इस तरह का इलाज हमेशा सही हो! लेकिन, ऐसे प्रयोग अपना दुष्प्रभाव दिखाते हैं, तो कई बार गम्भीर परिणाम होते हैं। सर्दी–खांसी या छोटे–मोटे दर्द तक तो ठीक है, पर लक्षणों को देख कर खुद का दवा–ज्ञान या मेडिकल स्टोर वाले से दवा लेना सेहत के लिए नई परेशानी खड़ी कर सकता है। परिवार व दोस्तों में बेवजह दवाई बताने वाले बहुत मिलते हैं। आज कल तो इंटरनेट पर भी लोग अपना इलाज खोजने में देर नहीं करते हैं। जबकि इसके परिणाम घातक होते हैं।

डॉक्टरी परामर्श जरूरी

डॉक्टरों को तो आए दिन इस तरह के मरीजों से दो–चार होना पड़ता है जो खुद का इलाज करके अपनी बीमारी को ओर अधिक गम्भीर बना लेते हैं। डॉक्टर के पास आने वाला हर दूसरा मरीज अपनी बीमारी की कुछ न कुछ जानकारी लेकर जरूर आता है व उन दवाइयों के नाम तक बताना शुरू कर देता है, जो उसने मेडिकल स्टोर्स से लेकर खाई हैं। ऐसे मरीज डॉक्टर की सलाह को भी गम्भीरता से नहीं लेते हैं। कई बार तो इंटरनेट सर्च करके टेस्ट तक करवा लेते हैं और रिपोर्ट के आधार पर दवाइयां लेना शुरू कर देते हैं। जबकि, खुद डॉक्टर तक बिना जांच के इलाज शुरू नहीं करते।

इंटरनेट पर बीमारी का इलाज ढूंढना आसान

लोगों में बीमारी को लेकर सलाह देने का चलन नया नहीं है। लेकिन, इंटरनेट आने के बाद हर दूसरा आदमी डॉक्टर बना घूमता है। हर बीमारी का झटपट इलाज के दावों की इंटरनेट पर बाढ़ लगी हुई है। इंटरनेट पर बीमारी का इलाज ढूंढना बहुत आसान होता है। मरीज को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि जानकारी सही है या नहीं। लोग डॉक्टर के पास जाना भी उचित नहीं समझते। जबकि, डॉक्टर अपने अनुभव और मरीज की जांच के आधार पर ही इलाज करता है। गूगल पर जानकारी भले ही सही हो, पर जरूरी नहीं कि वो उस मरीज पर असर ही करें। क्योंकि डॉक्टर मरीज की उम्र से लेकर उसकी रिपार्ट तक देखने के बाद ही इलाज करता है। एलर्जी या साइड इफेक्ट न हो इस बात का भी ख्याल रखता है।

मेडिकल स्टोर संचालक भी डॉक्टर नहीं

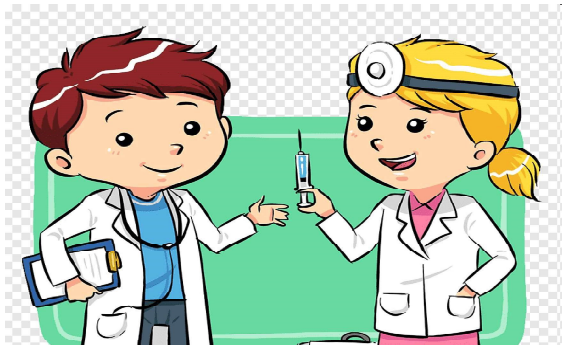

खुद की समझ से दवा के सेवन यानी सेल्फ मेडिकेशन को एक गंभीर जन स्वास्थ्य समस्या कहा जाता है। कई लोग मेडिकल स्टोर से बिना डॉक्टर की पर्ची के दवा लेते हैं। लेकिन, वे भूल जाते हैं कि मेडिकल स्टोर वाला डॉक्टर नहीं है। उसे दवा की जानकारी हो सकती है, पर जरूरी नहीं कि उसे दवा का सही डोज, मरीज के लिए उसकी जरूरी मात्रा और दवा के दुष्प्रभाव के बारे में सही जानकारी हो। ऐसा अधूरा ज्ञान खतरनाक साबित होता है। इससे कई बार छोटी बीमारी भी बहुत गम्भीर हो जाती है।

खुद की समझ से दवा के सेवन यानी सेल्फ मेडिकेशन को एक गंभीर जन स्वास्थ्य समस्या कहा जाता है। कई लोग मेडिकल स्टोर से बिना डॉक्टर की पर्ची के दवा लेते हैं। लेकिन, वे भूल जाते हैं कि मेडिकल स्टोर वाला डॉक्टर नहीं है। उसे दवा की जानकारी हो सकती है, पर जरूरी नहीं कि उसे दवा का सही डोज, मरीज के लिए उसकी जरूरी मात्रा और दवा के दुष्प्रभाव के बारे में सही जानकारी हो। ऐसा अधूरा ज्ञान खतरनाक साबित होता है। इससे कई बार छोटी बीमारी भी बहुत गम्भीर हो जाती है। किडनी और लिवर जैसे अंग खराब होने का भी खतरा बना रहता है।

जागरूकता चाहिये

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने भी इंटरनेट पर मौजूद दवा संबंधी जानकारी और ऑनलाइन कंसल्टेंसी को लेकर एक रिपोर्ट सरकार को दी है जिसमें कहा गया कि देश में टेली मेडिसिन, टेली कंसल्टेशन, इंटरनेट कंसल्टेशन पर कोई नीति बनाई जाना चाहिए।

इंटरनेट की जानकारियों पर प्रतिबंध लगाना आसान नहीं है लेकिन चेतावनी जरूर डाली जा सकती है। देखा गया है कि लोग डॉक्टर की लिखी दवा के नाम भी इंटरनेट पर सर्च करते हैं। कई बार मरीज या मरीज का कोई परिजन खुद को दवाइयों में विशेषज्ञ मानने लगता है। ऐसा भी देखा गया कि मरीज डॉक्टर की पर्ची की मदद से इंटरनेट पर सर्च करके बीमारी ढूंढते हैं और उसकी तुलना अपनी बीमारी से करते हैं। डॉक्टर की सुझाई दवा उनकी बीमारी से मेल नहीं खाती, तो कई बार वे उसे खाना ही छोड़ देते हैं। नतीजा, दवा के अभाव में बीमारी बढ़ जाती है। ऐसी कई घटनाएं हमें अपने आसपास मिल जाएंगी। इस समस्या से निजात के लिए जागरूकता फैलानी होगी।

ग्लोबल वॉर्मिंग के जोखिम

—ज्ञानेन्द्र रावत—

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, अगले पांच साल में वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने के 66 फीसदी आसार हैं। हालांकि पर्यावरण विज्ञानी जेक हौसफादर की मानें तो 1.5 डिग्री से. वैश्विक तापमान 2030 से पहले पहुंचने की उम्मीद नहीं है। लेकिन हरेक साल 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान के करीब पहुंचना भी बड़ा संकट है। ला नीना से अल नीनो में तबदील होने की स्थिति में जहां पहले बाढ़ आती थी वहां अब सूखा पड़ेगा और जहां पहले सूखा पड़ता था वहां अब बाढ़ के आने का अंदेशा है। दुनिया में तापमान में हो रही बढ़ोतरी खतरे का संकेत है। जलवायु परिवर्तन ने इसमें अहम भूमिका निभाई है।

दरअसल, तापमान की तुलना का यह वह समय है जब औद्योगीकरण से फॉसिल फ्यूल का उत्सर्जन शुरू नहीं हुआ था। विज्ञानियों ने अल नीनो के कारण गर्मी के इस तरह के भीषण उफान की आशंका जताई है। यह सब कोयला, तेल और गैस के जलाने की सभी सीमाएं पार करने का दुष्परिणाम है। फिर बीते सालों की प्राकृतिक घटनाओं को देखते हुए यह कम आश्चर्यजनक नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने में तत्परता से कारगर कदम उठाने में वैश्विक समुदाय उतना सजग नहीं दिखता जितना होना चाहिए। बीते साल मार्च, 2023 से इस साल 2024 के बीच के बारह महीनों में वैश्विक तापमान ने 1.5 डिग्री की सीमा को पार कर लिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट की मानें तो न केवल बीता वर्ष बल्कि पूरा बीता दशक धरती पर अभी तक का सबसे गर्म दशक रहा है। संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यह वर्ष भी गर्मी का रिकॉर्ड तोड़ सकता है।

यूरोपीय पर्यावरणीय एजेंसी यानी ईईए की मानें तो यूरोप तेजी से बढ़ते तापमान के कारण जलवायु संबंधित खतरों से जूझने के लिए तैयार नहीं है। जंगलों की आग की चपेट में वहां के घर आ रहे हैं, मौसमी आपदाओं का असर लोगों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इस बाबत ईईए की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर कहती हैं कि यूरोप की जलवायु खतरे में है। यह खतरा हमारी तैयारियों की तुलना में तेज गति से बढ़ रहा है। हमें फसल और लोगों की सुरक्षा के लिए तात्कालिक कार्रवाई की जरूरत है। यदि निर्णायक कार्रवाई अभी नहीं हुई तो सदी के अंत तक अधिकतर जलवायु खतरे गंभीर होंगे।

यदि तापमान वृद्धि दर पर अंकुश नहीं लगा तो सदी के अंत तक गर्मी से 1.5 करोड़ लोगों की जिंदगी संकट में आ जायेगी। इसका अहम कारण जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन से सदी के अंत तक सर्वाधिक गर्मी होना है। अमेरिका की पर्यावरण संस्था ग्लोबल विटनेस और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कहा कि दुनिया की प्रमुख जीवाश्म ईंधन कंपनियां द्वारा तेल और गैस का अत्यधिक मात्रा में उत्सर्जन अहम कारण है। यदि उत्सर्जन स्तर 2050 तक यही रहा तो 2100 तक गर्मी भयावह स्तर तक पहुंच जायेगी। नतीजा लाखों जिंदगियों के अस्तित्व पर सवालिया निशान हो सकता है।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के मॉडल पर गौर करें तो प्रत्येक मिलियन टन कार्बन में बढ़ोतरी से दुनियाभर में 226 अतिरिक्त हीटवेव की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी। यूरोपीय देशों में तेल कंपनियों में उत्पादित जीवाश्म ईंधन में 2050 तक वायुमंडल में 51 अरब टन कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जन बढ़ जायेगा। वहीं शुद्ध शून्य कार्बन लक्ष्य की प्राप्ति के बाद भी 55 लाख जिंदगियां जोखिम में होंगी।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में हीटवेव ने तकरीबन हर महाद्वीप को प्रभावित किया। क्लाइमेट चेंज जर्नल में प्रकाशित अध्ययन की मानें तो यदि तापमान में तीन डिग्री की बढ़ोतरी होती है तो जहां हिमालय में सूखा पड़ने की संभावना प्रबल है।

अंक पत्रों के साथ आठवीं उत्तीर्ण बेटियों की हुई स्कूल से विदाई

संवाददाता—बलरामपुर। शिक्षा क्षेत्र से दत्तगंज के कम्पोजिट विद्यालय कालू बनकट में नामांकन के साथ वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत सत्र 2023—24 में उत्तीर्ण छात्रों को अंक पत्र के साथ मेधावियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही कक्षा आठ पास बच्चों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मंडल अध्यक्ष दिलीप चौहान ने कहा कि आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। उन्होंने आठवीं पास आउट छात्र—छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें निरंतर मेहनत से आगे की तालीम हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बेटियों से अपील किया कि वे आगे की पढाई जरूर करें। यदि घर से कोई दिक्कत समस्या आती है तो उसके समाधान के लिए हर समय सम्भव प्रयास करेंगे। छात्राओं को वार्षिक रिपोर्ट कार्ड के साथ मेधावियों को पुरस्कृत किया गया। कहा कि इन बच्चों में वह क्षमता है कि वे आगे देश व अपने गांव का नाम रोशन कर सकें। शिक्षिका शेफाली चौहान ने बच्चों को आशिर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन शंकुल शिक्षक राम सागर ने किया। विद्यालय की साज सज्जा शिक्षक मृदुला पालीवाल व राम नाथ यादव ने किया। आठवीं पास आउट छात्र—छात्राएं स्कूल से इस वर्ष निकलने पर काफी भावुक रहे। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक अशोक कुमार गुप्ता, दिव्यांशी, अनीशुन, सत्यमी, जूही, अनवार, निशा, महनूर, अर्चना, शबाना, मुस्कान, ललिता, मोहनी, करन, अब्दुल्ला, शाबान, आकाश, नानबाबू, नीरज, सुमन आदि बच्चे मौजूद रहे।

बालापुर में फूस की दीवार चीरकर बकरा उठा ले गया तेंदुआ

संवाददाता—बलरामपुर। फूस की दीवार चीरकर घर में घुसे तेंदुए ने बकरे को निवाला बना लिया। ग्रामीण तेंदुए को दौड़ाते रहे लेकिन वह बकरा लेकर भाग निकला। बाड़ी बिजुरिया में बेखौफ घूम रहे तेंदुए की फोटो ट्रैपिंग कैमरे में कैद हुई है। लगभग दस दिन पहले इस गांव का चौकीदार तेंदुए के हमले में घायल हुआ था। महराजगंज तराई के मोतीपुर गांव में बुधवार सुबह तेंदुआ दिखने से दहशत है। सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग अन्तर्गत बनकटवा रेंज का गांव है बालापुर। यहां के निवासी पटवारी ने बताया कि बुधवार भोर चार बजे टटिया की सरसराहट सुनकर उनकी नींद खुल गई। देखा कि कोई जंगली जानवर पंजा मारकर फूस की दीवार चीर रहा है। पटवारी हट—हट करते रहे, लेकिन जंगली जानवर अपने काम में लगा रहा। करीब डेढ़ मिनट बाद पटवारी ने देखा कि तेंदुआ उनके बिस्तर के करीब खड़ा है। पटवारी ने भयवश कंबल ओढ़ लिया। बिस्तर के पास में ही बकरा बंधा था। तेंदुए को देखकर उसकी आवाज बंद हो गई। तेंदुए ने बकरे को जबड़े में दबोचा और फटी टटिया के बीच से भाग निकला। पटवारी के शोर मचाने पर ग्रामीण दौड़ पड़े। रामजी, संतराम, बैठोले आदि ने बकरे को जबड़े में दबोचकर भागते तेंदुए को देखा तो उसके पीछे—पीछे शोर मचाते हुए दौड़ पड़े। शोर सुनकर अन्य ग्रामीणों ने भी तेंदुए का पीछा किया, लेकिन बकरे को बचाने में कामयाबी नहीं मिली। तेंदुआ गांव से बाहर निकलकर घनी झाड़ियों के बीच गुम हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ आए दिन गांव में घुस आता है। वह कुत्ते अथवा बकरे को लेकर भाग जाता है। इस घटना से ग्रामीण डरे हुए हैं। बाड़ी बिजुरिया गांव में तेंदुए का खौफ कम नहीं हुआ है। लगभग दस दिन पहले तेंदुए के हमले में गांव का चौकीदार घायल हो गया था। तीन माह के बीच तेंदुए ने आस पास गांवों में आधा दर्जन निराश्रित मवेशियों को अपना निवाला बना चुका है। ग्रामीणों की मांग पर बाड़ी बिजुरिया गांव में वन विभाग की ओर से ट्रैपिंग कैमरा लगाया गया था। मंगलवार शाम वन कर्मियों ने कैमरे में तेंदुए का फुटेज देखा। तेंदुआ गांव के बाहर बेखौफ होकर विचरण कर रहा था। तेंदुए का फुटेज मिलने पर गांव व उसके आस पास वन कर्मिया की सक्रियता बढ़ा दी गई है। लोगों को समूह बनाकर खेत में जाने की सलाह दी गई है। बच्चों को भी अकेला न छोड़ने की बात कही गई है। आधा दर्जन गांव में वन विभाग ने जागरूकता अभियान चलाया है।

डीएम ने पांच गांवों को दी बड़ी सौगात, आजादी के 75 साल बाद थारू समाज का वनवास खत्म

संवाददाता—बलरामपुर। डीएम के विशेष प्रयास से 75 वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित थारू समाज के लोग अब समाज की मुख्य धारा से जुड़ जाएंगे। इन्हें यह सारे अधिकार मिलने जा रहे हैं। अभी तक इन्हें सरकार की किसी भी योजना का लाभ नही मिल रहा था। इसके साथ ही इनके नाम जमीन भी नही थी। जंगल क्षेत्र में सिर्फ यह लोग अपना जीवन यापन कर रहे थे। अब थारू समाज के लोगों के उत्थान का वीणा डीएम ने उठाया है।

देश की आजादी के 75 साल बाद जिले के पांचों थारू गांवों के लोगो का वनवास खत्म होने जा रहा है। इन्हें जल्द ही भूमि अधिकार सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। डीएम अरविन्द सिंह ने तहसील तुलसीपुर के पांच थारू ग्रामों बड़का भुकुरूवा, छोटका भुकुरूवा (भवानीपुर), कंचनपुर, भरिहवा तथा अकलघरवा में धारा—4(2) के तहत चकबन्दी प्रक्रिया प्रारम्भ करने के लिए कुछ माह पहले शासन स्तर पर प्रयास शुरू किए थे। सफलता मिलने के बाद डीएम ने अधिसूचना पर हस्ताक्षर कर चकबन्दी अधिकारी को आदेश जारी कर दिये हैं। उन्होंने एसडीएम तुलसीपुर को समस्त राजस्व अभिलेख चकबन्दी विभाग को उपलब्ध करने के आदेश दिए हैं। देश को आजाद हुए 75 साल बीत गए। इन पांचों थारू ग्रामों में कभी चकबन्दी नहीं हुई। जिसके कारण यहां के लोग भूमि अधिकारों सहित तमाम सरकारी योजनाओं से वंचित रहे। थारू जनजाति की विशेष पहचान एवं ऐतिहासिक धरोहरों वाले जिले में पांचों ग्रामों के लोग मूल सुविधाओ से वंचित रहे। डीएम ने अति पिछड़ेघ का दंश झेल रहे थारू जनजाति के उत्थान के लिए विशेष प्रयास शुरू किये। जिसके परिणाम स्वरूप चकबन्दी आयुक्त ने अधिसूचना जारी करते हुए पांचों गांवों मे चकबन्दी कराने का आदेश दिया। इसके बाद डीएम ने चकबन्दी बन्दोबस्त अधिकारी को चकबन्दी प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ कराने के आदेश दिए हैं। डीएम ने एसडीएम को निर्देश दिया है कि इन पांचों ग्रामों के राजस्व अभिलेख चकबन्दी विभाग को तत्काल उपलब्ध करा दें। जिलाधिकारी पांचों थारू गांवों में निवास करने वाले थारू जनजाति परिवारों को इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

जिलाधिकारी ने बताया कि भूमि अधिकार मिलने के बाद थारू जनजाति के लोग समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकेंगे। इन्हें विकासपरक जनकल्याणकारी तथा लाभार्थीपरक योजनाओं से लाभान्वित होंगे। जिससे इन गांव के लोगों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया हो सकेंगीं। जिससे इनके सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर सुधरेगा।

गरीब व मजलूमों की मदद करने से बड़ा कोई पुण्य नहीं

संवाददाता—बलरामपुर। गरीबों व मजलूमों की मदद करने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। हर सामर्थ्यवान व्यक्ति को गरीबों और असहायों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। यह बातें क्षेत्र में गरीब व जरूरतमंद परिवारों की मदद करने के दौरान युवा समाजसेवी राशिद महमूद लबी ने कही। उन्होंने कहा कि जरुरतमंदों की मदद करते समय फुटेज लेना व गुणगान करना वास्तव में दिखावा होता है। किसी की मदद गोपनीय तरीके से करना ही असली दान कहलाता है।

समाजसेवी राशिद महमूद खान लबी ने कहा कि माहे रमजान व ईद त्यौहार के मद्देनजर लोगों की सेवा के लिए हर संभव मदद करने की कोशिश सभी को करनी चाहिए। उन्होंने अपनी मुहिम को जारी रखते हुए बुधवार को भी युवा समाजसेवी राशिद महमूद ने क्षेत्र के कई गरीब परिवारों के घरों तक राशन व ईद का सामान पहुंचाया है। लेकिन किसी को भी इसकी फोटो खींचने की इजाजत नहीं दी। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते हैं कि किसी गरीब की मदद करते समय फोटो खींचने पर उसकी आंखों में शर्मिंदगी या हीनभावना उत्पन्न हो। राशिद महमूद ने बताया कि वह अपनी क्षमतानुसार जरुरतमंद परिवारों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उनकी मदद कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने हर हैसियतमंद से अपील किया कि ईद से पहले जितना हो सके गरीबों की मदद करें, ताकि गरीब परिवार भी खुशी से ईद का त्यौहार मना सकें। गरीबी अभिशाप नहीं है। गरीब लोगों के मन में भी वही है जो हम सबके मन में है। ऐसे लोगों की सहायता करने से खुशी मिलती है। इस संसार में गरीबों की मदद करने से बढ़कर कोई भी नेक कार्य नहीं है। राशिद महमूद ने कहा कि हर मुसलमान पर जो साहिबे निसाब हो सदका—ए—फित्र वाजिब है। जो उसे ईद की नमाज से पहले पहले अदा करना वाजिब है। राशिद महमूद खान लबी ने सदका—ए—फितरा ईद की नमाज से पहले अदा करने की अपील की है। कहा कि अपने वारिसान का सदका—ए—फित्र भी बाप को ही अदा करना लाजमी है। उस बच्चे का भी सदका—ए—फित्र अदा किया जाएगा, जो ईद के दिन ही सवेरे सादिक से पहले पैदा हुआ हो। सदका—ए—फित्र की मिकदार 1.650 किलो गेहूं या इसकी कीमत है। इसके अलावा जो अमीर व मालदार लोग हैं, वह खजूर और किसमिस की कीमत के हिसाब से भी सदका—ए—फित्र अदा कर सकते हैं। उन्होंने सभी मुसलमानों से सदका—ए—फित्र ईद की नमाज से पहले अदा करने की अपील की है।

सीमा पर पैदल गश्त कर दिलाया सुरक्षा का अहसास

संवाददाता—श्रावस्ती। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए नेपाल सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सीमा पर स्थित गांवों में पैदल गश्त व ग्राम सुरक्षा समितियों के साथ बैठक की जा रही है। बुधवार को पुलिस व एसएसबी जवानों ने गांवों में पैदल गश्त व ग्राम सुरक्षा समितियों के साथ बैठक की। नेपाल सीमा पर स्थित ग्राम तुरुष्मा में सहायक कमाडेंट मुगदुम रोहित जयंत 62वीं वाहिनी व थानाध्यक्ष मल्हीपुर जयहरि मिश्रा की अध्यक्षता में ग्राम सुरक्षा समिति की समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सहायक कमाडेंट ने सीमा सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों और ग्रामीणों से समस्याओं व सुरक्षा के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि भारत नेपाल की सीमा खुली होने की वजह से सीमा क्षेत्र पर अराजक तत्व अवैध गतिविधियों में संलिप्त हैं। मानव तस्करी मादक पदार्थों की तस्करी सहित अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए हम सभी को देश हित में कार्य करना होगा तथा सीमावर्ती क्षेत्र में कोई भी संदिग्ध व्यक्ति, नेपाली—भारतीय दोहरी नागरिकता एवं नेपाली नागरिक आधार कार्ड रखता हो, नजर आए तो तुरंत ही नजदीकी एसएसबी कैम्प या पुलिस को इसकी सूचना दें। ग्राम सुरक्षा समिति के सभी सदस्यों को सीमा पर संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी देने की अपील की गई। साथ ही लोगों को नशे के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान सी समवाय तुरुष्मा से निरीक्षक सामान्य जिया लाल व सीमा चौकी ककरदरी से उप निरीक्षक सामान्य भीष्म दत्त कश्यप,प्रभारी चौकी असनहरिया सुनील कुमार व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुरेश श्रीवास्तव, ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्य सहित पुलिस व एसएसबी के जवान उपस्थित रहे। बैठक के बाद थानाध्यक्ष मल्हीपुर ने एसएसबी के साथ संयुक्त रूप से ग्राम तुरुष्मा में फ्लैग मार्च कर जनमानस को सुरक्षा का एहसास दिलाया।

फर्जी दस्तावेजों से राशन लेने में फंसा पूर्व कोटेदार व दो बेटे

संवाददाता—गोण्डा। थानाक्षेत्र के बेसहूपुर गांव के पूर्व कोटेदार व उनके दो बेटों पर कूटरचित तरीके से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मृतक के नाम पर राशन लेने के आरोप में न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

बताया जाता है कि बेसहुपुर गांव निवासी सुधीर कुमार ने न्यायालय से इस संबंध में गुहार लगाई थी। इसके मुताबिक गांव में कार्डधारक मिठाई लाल का नाम दर्ज है, जो अनुसूचित जाति का है। आरोप है कि कोटेदार ने जालसाजी करके कूटरचित तरीके से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अपने बच्चों का नाम अमरेश कुमार, अंकेश कुमार का नाम दर्ज कराकर हर महीने राशन का गबन कर लिया। इसी प्रकार दूसरे राशन कार्ड धारक की मृत्यु वर्ष 2018 में हो चुकी लेकिन उसके नाम पर भी अप्रैल 22 तक धोखाधड़ी कर राशन निकाला जा रहा था। थानाध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर बेसहूपुर गांव के पूर्व कोटेदार विपिन कुमार,उनके बेटे अंकुश व अमरेश के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

भगवान ऋषभदेव की जयन्ती पर निकली रथ यात्रा, पंचामृत से किया गया अभिषेक

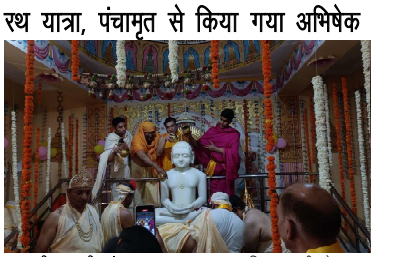

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान ऋषभदेव की जन्म जयंती पर निकली शोभा यात्रा पंचामृत से अभिषेक कर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जन्म जयंती महोत्सव।बुधवार को नगर के रायगंज स्थित श्री ऋषभदेव बड़ी मूर्ति दिगम्बर जैन में भगवान आदिनाथ का जन्मोत्सव गणनी आर्यिका ज्ञानमती माता जी व गाणिनी आर्यिका श्री प्रज्ञामती माताजी एवम् गणिनी आर्यिका सुप्रकाश मति माताजी व आर्यिका चंदनामती माता जी के सानिध्य में बड़ी ही धूम धाम से मनाया गया।

प्रातः मन्दिर में भगवान आदिनाथ के जयकारों के साथ प्रभात फेरी निकाली गयी।ततपश्चात भगवान आदिनाथ स्वामी को रथ पर विराजमान कर गाजे—बाजे के साथ एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई।यात्रा मंदिर से प्रारम्भ होकर कस्बे के विभिन्न मार्गों से होते हुए भगवान आदिनाथ की जन्मस्थली पर पहुँचा।जहां पर भगवान आदिनाथ का पंचामृत अभिषेक शांतिधारा पंडित विजय कुमार ने विधिविधान से सम्पन्न कराया।दोपहर में बड़ी मूर्ति का महा मस्तकाभिषेक अभिषेक,पंचामृत अभिषेक शांतिधारा किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष पीठाधीश स्वामी रविन्द्र कीर्ति ,महामंत्री अमर चन्द्र जैन,ऋषभ जैन,लल्ला जैन,पंकज जैन,निदेश जैन,चन्दर जैन,घल्लन जैन,सिद्धार्थ जैन,रितेश जैन,मनोज जैन आदि मौजूद रहे।

खम्भे से बिजली केबिल खिंचवाने पर कहासुनी, पीटकर महिला को मार डाला

संवाददाता—बहराइच। जिले के हरदी इलाके में अपराधों की बाढ़ आ गई है। बेखौफ हमलावरों ने मंगलवार रात एक महिला पर ताबड़तोड़ लाठियां बरसाईं। हमलावरों ने महिला को पटक कर तब तक गला दबाए रखा, जब तक उसकी जान नहीं चली गई। हमले के पीछे खम्भे से बिजली केबिल खिंचवाने पर कहासुनी हुई थी। पड़ोस के लोग घर के आगे से केबिल नहीं खींचने दे रहे थे। सूचना देने के बावजूद पुलिस देर से पहुंची। लाश पोस्टमार्टम को भेज दी गई है।

हरदी थाने के एरिया निवासिनी 55 वर्षीय कलमावती उर्फ राम कुमारी पत्नी सांवली मंगलवार रात घर से कुछ दूरी पर लगे बिजली के पोल से अपने घर तक केबिल खिंचवा रही थीं। इसी दौरान पड़ोसी और उसके परिजनों ने महिला को अपने ही दीवार से उसके तरफ तार न खींचे जाने का विरोध करते हुए भद्दी — भद्दी गालियां बकने लगे। जिसका महिला ने विरोध किया। अचानक हमलावरों ने महिला पर पहले ताबड़तोड़ लाठियां बरसाईं फिर पटक कर गला दबा दिया। जिससे महिला की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि झगड़े की आशंका के मद्देनजर यूपी डायल 112 व थाने की पुलिस को दी। न पीआरवी पहुंची और न ही थाने की पुलिस पहुंची। जैसे ही महिला की हत्या की भनक पुलिस महकमे को लगी, तो हड़कंप मच गया। एसएचओ संतोष कुमार सरोज पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने बुधवार को सुबह शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसएचओ को कई बार काल किया गया, रिंग जाती रही, किन्तु उन्होंने काल रिसीव नहीं की।

ट्रक ने बुलेट सवार को रौंदा, एक की मौत दो घायल

संवाददाता—गोण्डा। जिले में बुधवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में गन्ना लदे ट्रक ने बुलेट बाइक सवार युवक को रौंद दिया। जिससे एक युवक की घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें इलाज के लिए अयोध्या मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो—रो कर बुरा हाल है।

गोंडा जिले के बभनान मसकनवा मार्ग पर गन्ना लदे अनियंत्रित ट्रक ने बुलेट बाइक सवार को रौंद दिया। जिससे एक युवक की मौत हो गई। इस घटना में अन्य दो युवक घायल हो गए। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां पर हालत गंभीर होने पर उन्हें अयोध्या मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है। सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है। बभनान—मसकनवा मार्ग पर दीन नगर के पास आगया माफी टैरवा के रहने वाले मायाराम वर्मा का 20 वर्षीय लड़का विजय वर्मा बुलेट बाइक से सवार होकर मसकनवा के एक निजी विद्यालय में गांव के लड़के का एडमिशन करवाने के लिए जा रहा था। इस दौरान उसकी बाइक पर दो अन्य युवक भी सवार थे। ट्रक के चपेट में आने से विजय वर्मा 23 वर्ष की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि अभिषेक सोनी और अरविंद गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों घायलों की स्थिति को गंभीर देखते हुए अयोध्या के दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। मृतक विजय वर्मा के पिता ने बताया कि उनका लड़का बी फार्मा करने के बाद गोंडा में मेडिकल स्टोर पर रहता था। कई दिनों बाद घर पर आना—जाना होता था। कल गोंडा से घर आया था। आज सुबह यह हादसा हो गया।

इस संबंध में थानाध्यक्ष छपिया ने बताया कि दुर्घटना होने के बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इस दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया है। उसकी तलाश की जा रही है।

करंट से मौत के मामले में बिजली विभाग को झटका, कोर्ट ने लगाया 5.25 लाख का जुर्माना

संवाददाता—देवरिया। हाई वोल्टेज तार टूटकर गिरने से हुई मौत के एक मामले में स्थाई लोक अदालत पीठ ने फैसला सुनाया। अध्यक्ष राकेश मिश्र की पीठ ने आदेश दिया किया बिजली विभाग मृतक के वारिस को 5 लाख 25 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति दे। बता दें कि यह मामला 5 साल पुराना है। रुद्रपुर थाना क्षेत्र के बलुअन मोहाव गांव के रहने वाले रामलला पासवान 2 अगस्त 2019 को अपने दरवाजे पर बैठे थे। तभी अचानक 11 हजार केवी का हाईवोल्टेज तार टूटकर गिर गया। जिसकी चपेट में आने से रामलला और उनकी गाय की मौके पर ही मौत हो गई थी।

रामलाल के बेटे पप्पू पासवान ने तब विद्युत विभाग के सुरक्षा उपनिदेशक गोरखपुर मंडल को आवेदन पत्र देकर बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हुई घटना की क्षतिपूर्ति की मांग की थी। सुरक्षा उपनिदेशक द्वारा जब मामले की जांच की गई तो बिजली विभाग के अनुरक्षण में विफलता के कारण हाईवोल्टेज तार का टूटना पाया गाया। जिससे रामलाल और उसकी गाय की मौत हो गई थी। सुरक्षा उपायुक्त के स्वीकृति के बाद भी बिजली विभाग ने क्षतिपूर्ति अदा नहीं की और मामले को लटकाए रखा। इस पर पप्पू पासवान ने स्थाई लोक अदालत में मुकदमा दाखिल किया।

स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष राकेश मिश्र, सदस्य विजय यादव और राजेश श्रीवास्तव ने मामले की सुनवाई की। मामला सही पाए जाने पर राकेश मिश्र की पीठ ने अधिशासी अभियंता और अधीक्षण अभियंता पर नाराजगी जताते हुए रामलला के वारिस को 5 लाख 25 हजार रुपये क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया। साथ ही गाय की मौत पर भी 25 हजार रुपये का दंड लगाया। साथ ही कोर्ट ने 2 महीने के भीतर ही क्षतिपूर्ति अदा करने का निर्देश भी दिया है।

गोशाला में अनिवार्य रूप से रखा जाय पशुओं का रिकार्ड-सीडीओ

संवाददाता—श्रावस्ती। मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने विकास खण्ड इकौना के अस्थाई गो आश्रय स्थल अंधरपुरवा का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान गोवंशों का रिकार्ड अनिवार्य रूप से रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने गोआश्रय स्थल में गोवंशों के लिए हरे चारे एवं पानी आदि की व्यवस्था का जायजा लिया। गोशाला में गोवंशों का रिकार्ड नहीं मिला। इस पर सीडीओ ने नाराजगी जताई और खंड विकास अधिकारी इकौना को निर्देश दिया कि सभी रिकॉर्ड गोशाला में अनिवार्य रूप से संरक्षित किये जाएं अन्यथा सम्बंधित सचिव के विरुद्व कड़ी कार्रवाई की जायेगी। निरीक्षण के दौरान गोआश्रय स्थल में 454 पशु संरक्षित पाये गये। पशुओं के लिए हरे चारे के रूप में जई की बुवाई कराई गयी थी, जो पशुओं को खिलाई जा रही है। ग्राम प्रधान ने बताया कि चरी की बुवाई करा दी गई है। मादा पशुओं को अलग रखने के लिए बैरीकेटिंग का कार्य व शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है तथा पीने के लिए पानी की उचित व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कुमार गौरव, खण्ड विकास अधिकारी इकौना सीबी तिवारी सहित अन्य सम्बन्धित कर्मचारी मौजूद रहे।

बाबा दामोदर दास को संतों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या।मणिपर्वत विद्याकुंड स्थित रामायणी जी की कुटिया के साकेतवासी बाबा दामोदर दास महाराज को संतों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संतों ने उनके चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया और कृतित्व—व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। संतों ने कहा बाबा दामोदर दास भजनानंदी संत रहे। वह भजन—साधना में तल्लीन रहा करते थे। जो गौ और संत सेवी भी रहे। उन्होंने सेवा को ही अपना धर्म माना। विगत 22 मार्च को बाबा दामोदर दास चेला परमेश्वर दास का साकेतवास हो गया। बुधवार को उनका त्रयोदश त्रयोदश संस्कार रहा। इस अवसर पर हनुमानगढ़ी गद्दीनशीन महंत प्रेमदास महाराज, धर्मसम्राट श्रीमहंत ज्ञानदास महाराज के सानिध्य और रामप्रसाद दास के संयोजन में बाबा दामोदर दास चेला परमेश्वर दास का तेरहवीं भंडारा रामायणी जी की कुटिया पर आयोजित हुआ। भंडारे में हनुमानगढ़ी समेत रामनगरी के सभी विशिष्ट संत—महंतों ने सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का संचालन संकटमोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास व प्राचार्य डॉ. महेश दास महाराज द्वारा किया गया। अंत में हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास ने पधारे हुए संत—महंत और विशिष्टजनों का स्वागत—सत्कार किया। इस मौके पर रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण, बड़ाभक्तमाल के महंत स्वामी अवधेश कुमार दास, हनुमानगढ़ी के सरपंच महंत रामकुमार दास, महंत बलराम दास, रामानंद दास, स्वामी दिलीप दास त्यागी, संकटमोचन हनुमानकिला के महंत परशुराम दास, महंत अर्जुन दास, महंत मुकेश दास, पुजारी रमेश दास, नागा नंदराम दास, पहलवान मनीराम दास, नागा उपेंद्र दास, नागा बजरंग दास, पहलवान रितेश दास, कल्लू दास, प्रेममूर्ति कृष्णकांत दास, शिवम श्रीवास्तव, महंत शैलेश दास, नागा सूरज दास, संजय शुक्ला, सूर्यभान दास, संतदास आदि संत—महंत उपस्थित रहे।

महंत रामप्रिया शरण के संयोजन में रसमोद कुंज में मनाया गया प्राकट्योत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। वैष्णो नगरी अयोध्या त्याग और तपस्या की नगरी है यहां अनेकों संत हुए हैं जिन्होंने प्रभु श्री राम और माता जानकी के अलग—अलग रूपों में उपासना की है। इसी उपासना पद्धति में रसिक उपासना के प्रमुख आचार्य दक्षिण भारत में जन्मे स्वामी कृपानिवास महाराज का प्राकट्योत्सव गोलाघाट स्थित रसमोद कुंज में महंत राम प्रिया शरण गिरधारी जी महाराज के संयोजन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री महाराज जी ने बताया कि रसिक उपासना के आचार्य स्वामी कृपा निवास जी महाराज का जन्म 1750 ई. के आसपास दक्षिण भारत में हुआ था। इनके पिता का नाम सीतानिवास तथा माता का गुणशीला था। वे श्री रंग के उपासक थे। उन्होंने इन्हें बचपन ही में रामानुजीय वैष्णव संत आनंद विलास से दीक्षा दिलाई।

राम प्रिया शरण महाराज ने बताया कि पंद्रह वर्ष की अवस्था में इन्हें संसार से विरक्ति हुई और वे घर त्याग कर मिथिला चले आए और रसिक भावना का आश्रय लिया। चारों धाम की पैदल यात्रा करते हुए अग्रदास के आचार्य पीठ रेवासा (जयपुर) गए। वहाँ से अयोध्या आए और कुछ दिनों वहाँ रहे। वहाँ से वे उज्जैन गए और वहांम् कुछ काल तक रहे। तदनंतर वे चित्रकूट आए ओर शेष जीवन वहीं व्यतीत किया।

चित्रकूट में ही स्फटिक शिला के पास उनका देहावसान हुआ। उन्होंने बताया कि युगलप्रिया के अनुसार उन्होंने लगभग एक लाख छंदों की रचना की थी किंतु इनके जो ग्रंथ उपलब्ध हैं उनमें पच्चीस हजार से अधिक छंद नहीं हैं। उनके लिखे समस्त ग्रंथ सांप्रदायिक सिद्धांत निरूपण की दृष्टि से लिखे गए है। कुछ रचनाएँ भावनात्मक भी हैं जो विभिन्न राग—रागिनियों में गेय हैं। श्री महाराज जी ने बताया कि स्वामी जी के जन्मोत्सव पर मंदिर में बधाई गान कर उत्सव मनाया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए मुख्य रूप से व्यास राघवेन्द्र शरण, ओंमकार दास, राजेंद्र पांडेय, पुजारी अनिरुद्ध शरण, पुजारी आकाश शरण, मनोहर वैद्य, कपिल आदि उपस्थित रहे।

बच्चे नहीं दे सके सवालों के जवाब, डीएम ने अध्यापक को लगाई फटकार

संवाददाता—श्रावस्ती। डीएम ने बुधवार को तीन स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्कूलों में शिक्षा स्तर कम पाए जाने पर अध्यापकों को फटकार लगाई। वहीं बच्चों की कम उपस्थिति को ठीक करने का निर्देश अध्यापकों को दिया।

जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने विकासखण्ड हरिहरपुररानी के प्राथमिक विद्यालय बगुरैया गलकटवा, प्राथमिक विद्यालय टण्डवा बनकटवा एवं प्राथमिक विद्यालय पूरे खैरी का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय बगुरैया गलकटवा के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति एवं नामांकन के सापेक्ष छात्र—छात्राओं की उपस्थिति देखी जिसमें बच्चों की उपस्थिति कम मिली। यदि कोई छात्र या छात्रा नामांकन के बाद स्कूल नहीं आ रहा है तो उनके अभिभावक से बात कर स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में शिक्षण कार्य ढंग से न पाये जाने पर अध्यापकों को कड़ी फटकार लगायी। उन्होंने छात्र—छात्राओं से बात कर तथा बच्चों से ब्लैकबोर्ड पर गणित के प्रश्न हल करा कर शिक्षा का स्तर मापा। बच्चों ने सही उत्तर नहीं दिया गया।

निरीक्षण के दौरान स्कूल के छात्र—छात्राएं यूनीफार्म में न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि बच्चों को यूनीफार्म जरूर पहनने के लिए प्रेरित करें। इसके बाद जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय टण्डवा बनकटवा एवं प्राथमिक विद्यालय पूरे खैरी का भी निरीक्षण किया।

गो हत्या को रोकने के लिए सभी को खड़े होने की जरूरत -शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गीता प्रेस के चित्र मंदिर में गो–रक्षा और धर्म पर संवाद करते हुए कहा कि गोरखपुर से गो–रक्षा की आवाज उठनी चाहिए। गोरखपुर के नाम में ही गो समाहित है। यहां से गो–रक्षा का कार्य न हो तो गोरखपुर का नाम बदल दिया जाना चाहिए, क्योंकि जो नाम काम के ही नहीं हैं, उन्हें बदला भी जा रहा है। शंकराचार्य ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर में उन्होंने बाबा गोरखनाथ से प्रार्थना की कि गो–रक्षा हो। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाकर गो और प्रकृति की रक्षा की थी। हमने भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा से गो–रक्षा के लिए पैदल यात्रा की और दिल्ली में पहुंचकर 1986 में गो–रक्षा आंदोलन के दौरान गोली लगने से अपने प्राणों की आहुति देने वाले गो–भक्तों का तर्पण किया। भगवान से भी गो–रक्षा की प्रार्थना की और हिंदुओं को इसके लिए खड़े होने की अपील कर रहे हैं। शंकराचार्य ने कहा कि 75 साल पहले देश में 30 करोड़ मनुष्य और 78 करोड़ गाय थीं। अब 150 करोड़ आबादी हो चुकी है लेकिन गाय केवल 17 करोड़ ही हैं। जिस प्रकार गो–हत्या हो रही है, अगर उस पर रोक नहीं लगी तो पांच साल बाद गायों को चित्रों में देखना पड़ेगा। ऐसी स्थिति तब है कि जब शंकर वर्ण को भी गाय गिना जा रहा है। इस अवसर पर अधिवक्ता मनीष पांडेय, दिव्येंदु नाथ, मुकेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

शंकराचार्य ने कहा कि उन्होंने देश के 2615 दलों को पत्र लिखा था कि वे गो–रक्षा का शपथ पत्र दें, लेकिन कोई बड़ा दल आगे नहीं आया। अब तक 61 छोटे दलों ने उनसे संपर्क करके गो–रक्षा का समर्थन किया है। इसके लिए हिंदुओं को जागने की आवश्यकता है। धर्मशास्त्र व कानून की दृष्टि में अपराध और पाप करने वालों का समर्थन करना भी पाप है। इसलिए गो–रक्षा का प्रयास करने वाली पार्टियों को वोट दें। शंकराचार्य के रूप उन्होंने गो–रक्षा करने का संकल्प लिया है। गीता प्रेस ने गो–सेवा और गो अंक प्रकाशित किया। गीता प्रेस गो–रक्षा का कार्य कर रहा है।

बिना नक्शा पास कराए बने 17 हजार से अधिक भवनों को ध्वस्तीकरण से राहत नहीं

संवाददाता–गोरखपुर। बिना नक्शा पास कराए बने 17,500 हजार से अधिक भवन ध्वस्त होंगे। ऐसा इसलिए कि हाईकोर्ट ने एक आदेश में कंपाउंडिंग अर्थात समन की प्रक्रिया पर नाराजगी जताई है। वहीं, इसके लिए गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए), शहर में नक्शा के विपरीत बने कॉमर्शियल और आवासीय भवनों को चिह्नित कर ध्वस्तीकरण का नोटिस पहले ही दे चुका है।इतना ही नहीं, बीते 6 महीने में ऐसे 35 भवनों को ध्वस्त की ओर से ध्वस्त भी किया जा चुका है। अब बाकी भवन मालिकों को भी हाईकोर्ट के इस आदेश से झटका लगेगा।

दरअसल, ध्वस्त। उपाध्यक्ष आनंद बर्द्धन ने यहां कार्यभार संभालने के बाद ऐसे भवनों को लेकर सख्ती शुरू कर दी थी। बिना नक्शा पास कराए भवन निर्माण कराने वालों पर प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर उन्हें सील करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी थी।

इस दौरान अलग–अलग इकाइयों की ओर से शहर में कुल 23,595 भवनों को चिह्नित किया गया था, जिन्होंने कंपाउंडिंग नियमों को दरकिनार कर अपने भवन के निर्माण करवाए थे। इनमें से साढ़े पांच हजार भवन स्वामियों को नोटिस देकर जवाब तलब किया गया था।

चूंकि, इसमें सभी को जारी नोटिस की समयावधि अलग–अलग है, ऐसे में अभी इन्हें लेकर फैसला नहीं हो सका है। करीब 17,500 भवनों के ध्वस्तीकरण का आदेश ध्वस्त की तरफ से पहले ही जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा अपने आवेदन देकर या अन्य वाद दाखिल किए गए थे, जिनमें इन्हें भी अस्वीकार कर दिया गया है।

जीडीए सूत्रों ने बताया कि शहर में लोग, बाजार के सर्किल दाम से तीन से चार गुने दाम पर जमीन खरीद लेते हैं। यहां लोग अपने व्यावसायिक उपयोग के अनुसार पूरी जगह पर निर्माण भी करवा लेते हैं। सुरक्षा मानकों के साथ जीडीए के मानकों की अनदेखी कर खुद के आर्थिक लाभ के चक्कर में लोग ऐसा निर्माण कर शासन को राजस्व की क्षति पहुंचाते हैं।

जीडीए के रिटायर्ड सीनियर अधिकारियों की मानें तो किसी आवासीय या कॉमर्शियल बिल्डिंग की कंपाउंडिंग की जाती है तो उसमें अतिरिक्त फायदा लेकर अवैध बिल्डिंग में 25 प्रतिशत हिस्से की कंपाउंडिंग कर दी जाती है। भवन मालिक से 75 फीसदी हिस्सा तोड़ने का शपथपत्र लिया जाता है, जिसमें लिखा होता है– 'टू बी डिस्मेंटल'।

इस खेल में प्राधिकरण के कर्मचारियों की मिलीभगत भी होती है। तभी अवैध बिल्डिंग की कंपाउंडिंग संभव होती है, जबकि नियमानुसार अवैध भवन के 75 फीसदी हिस्से को तोड़ना जरूरी है। इस हिस्से के टूटने की वीडियो और फोटोग्राफी कराने का भी प्रावधान है। इसकी रिपोर्ट मिलने के बाद ही कंपाउंडिंग होनी चाहिए। अपर मुख्य सचिव आवास ने जारी शासनादेश में कहा है कि हाईकोर्ट की ओर से पारित आदेश का कड़ाई से पालन किया जाएगा। स्वीकृत मानचित्रों के अनुरूप ही स्थल पर निर्माण कार्य सुनिश्चित होंगे। स्वीकृत मानचित्र के इतर निर्माण होने की स्थिति में ऐसे निर्माणों के विरुद्ध भवन निर्माण एवं विकास उपविधि, तय नियमों, शासनादेशों और नियमावली का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

साफ लिखा है कि अक्सर भवन स्वामियों द्वारा पास किए गए नक्शे के इतर निर्माण कर लिया जाता है। शासन ऐसे निर्माण को शुल्क लेकर समय–समय पर समन यानी कंपाउंडिंग के लिए नीति लेकर आते रहा है। इसके आधार पर अवैध निर्माणों को वैध कर दिया जाता था। इसे लेकर हाईकोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताई है। इसके आधार पर रोक लगा दी गई है। अब अवैध भवनों की कंपाउंडिंग नहीं हो सकेगी।

पति व प्रेमी के बीच पिस रही महिला चढ़ गई खंभे पर, पुलिस ने उतारा

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र में बुधवार को एक अजीबो गरीब घटना हुई। पति व प्रेमी के बीच पिस रही एक महिला हाईवोल्टेज लाइन के खंभे पर चढ़ गई। जानकारी होते ही बिजली की आपूर्ति बंद कर पुलिस ने बिजली कर्मचारियों की मदद से महिला को उतारा। पुलिस ने महिला को उसके पति के साथ थाने भेजा। पति ने थाने पहुंच कर तहरीर दी कि उसकी पत्नी तीन बार खुदकुशी की कोशिश कर चुकी है। कोई अनहोनी होती है तो वह जिम्मेदार नहीं होगा। पिपराइच थाने के जंगल छत्रधारी चौकी क्षेत्र की 35 वर्षीय महिला के तीन बच्चे हैं। उसका पति मजदूरी करता है। महिला का उसके पड़ोस के ही एक युवक के साथ कई वर्षों से अवैध सम्बन्ध की चर्चा सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि पति अपने साथ तो प्रेमी अपने साथ रहने के लिए दबाव बनाते हैं। ऐसे में तंग आकर बुधवार की सुबह महिला ने आत्महत्या करने के कबाड़ी रोड पर निजी आईटीआई कालेज के पास लगे ट्रांसफार्मर पर चढ़ने लगी। महिला की हरकत देख राहगीरों ने इसकी सूचना चौकी पुलिस को दी। पुलिसकर्मियों ने तत्काल बिजली कर्मचारियों को फोन कर आपूर्ति बंद कराई और घटना स्थल पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती महिला ने ट्रांसफार्मर के ऊपर चढ़ कर एचटी तार पकड़ को पकड़ लिया। शुक्र था कि पुलिस ने बिजली की सप्लाई पहले ही बंद करा दी थी। इस बीच बिजली कर्मी दौड़ भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने बिजली कर्मियों एवं ग्रामीणों की मदद से महिला को नीचे उतारा। चौकी प्रभारी शैलेन्द्र मिश्रा ने महिला को उसके पति के साथ महिला कांस्टेबल के साथ थाने भेज दिया। हालांकि पुलिस का कहना है महिला को देखने से लग रहा है कि उसकी मानसिक स्थित ठीक नहीं है।

बताया जा रहा है कि लगभग एक माह पूर्व उक्त महिला बीआरडी मेडिकल कालेज में पांचवें तल से छलांग लगाने की कोशिश की थी, उस समय वहां मौजूद लोगों ने उसे बचा लिया था। इससे पहले रेलवे ट्रैक पर लेट कर और जहरीला पदार्थ खाकर भी जान देने का प्रयास की थी। महिला के पति ने पुलिस को तहरीर दी है। उसने बताया कि उसकी पत्नी कई बार आत्महत्या की कोशिश कर चुकी है। यदि उसकी पत्नी द्वारा इस तरह की घटना की जाती है तो वह इसका जिम्मेदार नहीं होगा। उधर घटना के बाद बिजली निगम के अवर अभियंता अमित कुमार यादव ने भी पुलिस को एक तहरीर दी गयी है। तहरीर में बताया गया है कि यदि भविष्य में इस तरह की कोई घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी बिजली निगम की नहीं होगी।

वाराणसी–अयोध्या–लखनऊ मेमू स्पेशल ट्रेन शुरू

संवाददाता–अयोध्या। रेलवे ने वाराणसी से अयोध्या होकर लखनऊ तक मेमू स्पेशल ट्रेन का संचालन मंगलवार से शुरू कर दिया। यह फास्ट मेमू ट्रेन 20 अप्रैल तक प्रतिदिन दौड़ेगी। फास्ट मेमू ट्रेन की औसत गति 62.18 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। यह मेमू 323 किमी. की दूरी 5.20 घंटे में तय करेगी, जबकि इसी सेक्शन पर वंदे भारत एक्सप्रेस 5:05 घंटे का समय लेती है। इसी रूट की छपरा–लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस 8:45 घंटे, कोलकाता–जम्मूतवी एक्सप्रेस 9:25 घंटे और गंगा सतलुज जैसी ट्रेनें 9:50 घंटे का समय लेती हैं।

नवरात्रि के अवसर पर शुरू हुई मेमू स्पेशल 04217 स्पेशल वाराणसी से सुबह 6:25 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन 6:44 बजे बाबतपुर, 7:18 बजे जौनपुर जंक्शन 7:18 बजे, शाहगंज 7:48 बजे, अकबरपुर 8:22 बजे, अयोध्या धाम 9:02 बजे, रुदौली 9:43 बजे, दरियाबाद 10:13 बजे, बाराबंकी 11:02 बजे होते हुए लखनऊ 11:45 बजे पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर 04218 मेमू स्पेशल लखनऊ से शाम 4:30 बजे चलकर 5:18 बजे बाराबंकी, 5:52 बजे दरियाबाद, 6:11 बजे रुदौली, 6:41 बजे अयोध्या धाम, 7:25 बजे अकबरपुर, रात आठ बजे शाहगंज, 8:43 बजे जौनपुर जंक्शन, 9:20 बजे बाबतपुर और 9:50 बजे वाराणसी पहुंचेगी।

छात्रा का बनाया अश्लील वीडियो, बोला शादी करो नहीं वायरल कर दूंगा

संवाददाता–बस्ती। कोचिंग में साथ पढ़ने वाले एक युवक ने छात्रा को अपने प्रेमजाल में फंसा कर उसका अश्लील वीडियो बना लिया। फिर जबरन उससे शादी करने का दबाव बनाने लगा। जब उससे शादी करने से मना किया। तो वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। परेशान छात्रा ने खौफनाक कदम उठाने का मन बनाया। लेकिन इससे पहले परिजनों को यह बात पता चल गई। जिससे उसकी जान बच गई। बस्ती जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा का उसके साथ में पढ़ने वाले युवक ने अपने प्रेम जाल में फंसाकर उसका अश्लील वीडियो बना लिया। फिर उस पर शादी करने का दबाव बनाने लगा। जब छात्रा ने शादी करने से इनकार किया, तो वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। इस बात को लेकर छात्रा परेशान रहने लगी। परिवार के लोगों को यह बात पता चल गई। मां ने जब अपनी बेटी से पूछताछ किया तो उसने सारी बात बता दी। रोते हुए उसने कहा कि अब आत्महत्या करने के अलावा उसके पास कोई विकल्प नहीं बचा है। मां ने बेटी को समझाते हुए पुलिस को शिकायती पत्र देकर कहा कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री एक कंप्यूटर कोचिंग सेंटर में पढ़ती है। उसी कोचिंग सेंटर में आरोपी भी पढ़ता है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की सीख, 'सनातन धर्म व गो रक्षा से होगा कल्याण',16 शिष्य बने

संवाददाता–गोरखपुर। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गोरक्षनगरी में दो दिन प्रवास के बाद बुधवार को वाराणसी की ओर प्रस्थान किया। सहारा इस्टेट में शिष्यों ने चरण पादुका पूजन किया। उन्होंने दो दिन में नित्य पूजा के बाद 16 लोगों की गुरु दीक्षा दी। गुरु दीक्षा के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सनातन धर्म और गो रक्षा से ही कल्याण होना है। तीन दिन के प्रवास पर आए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बुधवार को दिन की शुरूआत नित्यपूजा से की। इसके बाद वहां जुटे भक्तों को आशीर्वाद दिया। शंकराचार्य ने बुधवार को छह लोगों को गुरु दीक्षा दी, जबकि एक दिन पहले उन्होंने 10 लोगों को गुरु दीक्षा दी थी। इस अवसर पर शंकराचार्य ने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जानी चाहिए, लेकिन उन्हें सनातन संस्कृति से भी जोड़े रहना आवश्यक है। जड़ों से जुड़ने के बाद ही मजबूती आती है। गोवर्धन लीला में भगवान श्रीकृष्ण ने गो रक्षा करके संदेश दिया है कि यदि पत्थर में प्राण प्रतिष्ठा हो जाए तो वह भी जीवंत हो जाता है।

इंद्र की तरह कोई शासक प्रकृति और गो वंश का नाश कर रहा हो तो उसे स्वीकार नहीं करना चाहिए। जब हिंदू समाज जागृत होगा तो राजनीतिक दल भी गोवंश की रक्षा के लिए मजबूर हो जाएंगे। भारत के भविष्य के लिए गो वंश की रक्षा बहुत आवश्यक है। बच्चों को देसी गायों की दूध पिलाने की आवश्यकता है। डिब्बा बंद दूध से बच्चों को उतनी शक्ति मिलेगी, जितनी आवश्यकता है। गुरु दीक्षा कार्यक्रम के बाद शंकराचार्य रामअवधनगर स्थित एक शिष्य के घर गए, उसके बाद काशी की ओर प्रस्थान किया। इस अवसर अधिवक्ता मनीष पांडेय, सहारा सोसाइटी के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, मयंक मिश्रा, दिव्येंदु नाथ एडवोकेट, मुकेश पांडेय, सोना तिवारी, अमित यादव, दिनेश राय, ज्ञान पांडेय, केएन पांडेय, राकेश कुमार सिंह, वात्सल्य पांडेय, आदित्य पांडेय,अभय शाही, कमलेश मौर्य एवं सुरेश उपाध्याय उपस्थित थे।

हैंडपंप रिबोर कराने में लापरवाही पर छह सचिवों को नोटिस

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिला विकास अधिकारी सुरेश चन्द्र केशरवानी ने जनपद के छह ग्राम विकास अधिकारियों को हैंडपंप रिबोर में लापरवाही बरतने पर कड़ी चेतावनी दी है। तीन दिन के भीतर शत प्रतिशत हैंडपंप को रिबोर कराते हुए बीडीओ के जरिए प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने को कहा है। ऐसा न होने पर विभागीय कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी है। पिछले दिनों डीपीआरओ की समीक्षा में छह ग्राम विकास अधिकारी हैंडपंप रिबोर में रुचि न लेने के दोषी पाए गए। डीपीआरओ ने कार्रवाई के लिए डीडीओ को रिपोर्ट प्रेषित किया। जिसका संज्ञान लेते हुए उन्होंने सभी छह ग्राम विकास अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। डीडीओ सुरेश चन्द्र केसरवानी ने बताया कि सांथा में तैनात ग्राम विकास अधिकारी अनूप कुमार को क्षेत्र में 18 हैंडपंप रिबोर कराया जाना था, लेकिन उन्होंने महज दो कराया है। वहीं सेमरियावां में तैनात विमला यादव के क्षेत्र में एक हैंडपंप रिबोर होना था, लेकिन उसे भी नहीं कराया गया है। नाथनगर में तैनात केशव दास के क्षेत्र में चार हैंडपंप का रिबोर होता था, उसमें से महज एक कराया गया है। हैंसर बाजार में तैनात ग्राम विकास अधिकारी बबलू के क्षेत्र में 20 हैंडपंप रिबोर होना था, इसमें से तीन हुआ है। शेष अभी भी बाकी है। बेलहर कला में तैनात देवेश कुमार गोस्वामी के क्षेत्र में 30 हैंडपंप का रिबोर कराना था, लेकिन महज तीन कराया गया है। हैंसर में तैनात मेघनाथ चौधरी के क्षेत्र में 21 हैंडपंप रिबोर होना था, उसमें से महज तीन ही रिबोर हुआ है। ऐसे में यह लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गर्मी तेजी से बढ़ रही है। इसके अलावा लोकसभा चुनाव भी होना है। ऐसे में तीन दिवस के भीतर यदि शत प्रतिशत हैंडपंपों को रिबोर नहीं कराया गया तो ग्राम विकास अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

छत के रास्ते घर में घुसे चोर ले गए नकदी और गहने

संवाददाता–गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पांडेयपार उर्फ डडवा निवासी दूधनाथ यादव के घर में मंगलवार की रात चोरी हो गई। दूधनाथ का मकान गांव के बाहर है। मंगलवार की रात परिवार के लोग भोजन करके सो गए। रात में मौका देखकर मकान के पीछे से चोर छत पर से सीढ़ी के रास्ते अन्दर घर में घुस गए। दूधनाथ के छोटे बेटे उपेंद्र यादव के कमरे में जाकर उसमें रखा बॉक्स का ताला तोड़कर नकदी और गहने चोर समेट ले गए। पीड़ित की सूचना पर बुधवार को पहुंची गोला पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों की बैठक आज

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बेसिक शिक्षा संघ के सेवानिवृत्त शिक्षकों की बैठक चार अप्रैल को बीएसए कार्यालय परिसर होगी। इसमें सेवानिवृत्त शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा होगी। यह जानकारी महामंत्री दयाराम गोंड ने दी है।

विक्रय की उद्घोषणा
न्यायालय सिविल जज (सी०डि०), बस्ती

इजरा वाद सं०–01/2021

कृष्ण गोपाल पाण्डेय
बनाम
तुलसीराम

न्यायालय सिविल जज (सी०डी०) बस्ती द्वारा विनिश्चित 2010 के मूलवाद सं० 494 कृष्ण गोपाल पाण्डेय (वादी) बनाम तुलसीराम (प्रतिवादी) के निर्णीत मूलवाद में डिक्री के इजरा के वाद सं०–01/2021 उपरोक्त में न्यायालय के आदेश दिनांक 15.03.2024 के अनुसार निर्णीत ऋणी तुलसीराम के गाटा सं० 187/600 रकबा में से 0.1141 हे0 भू राजस्व रुपया 8.42 रू0 की नीलामी बोली लगाकर की जानी है। विक्रय हेतु नीलामी तुलसीराम पुत्र रामलखन, ग्राम कटरा खुर्द, तप्पा–गनेशपुर, परगना–नगर पूरब, तहसील बस्ती जिला–बस्ती, उ०प्र० नियत तिथि 23.04.2024 को समय 10 बजे सुबह से अदालत अमीन द्वारा किया जाना सुनिश्चित किया गया है। नीलामी के लिए न्यूनतम बोली मु० रू0 342415 रू० (अक्षरन तीन लाख बयालिस हजार चार सौ पन्द्रह रुपया) की होगी। विक्रय उद्घोष विस्तृत रूप से जिला कलेक्टर के सूचना पट, न्यायालय सिविल जज (सी०डि०) के सूचना पट पर तथा जहां उक्त अचल सम्पत्ति स्थित है उस ग्राम के ग्राम पंचायत कटरा खुर्द के पंचायत भवन पर चस्पा है।

यह आज तारीख 22–3–24 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी की गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस
न्यायालय– जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बस्ती
विपक्ष के नाम प्रसूचना

(स्थान–निकट–कलेक्ट्रेट परिसर)
अन्तर्गत धारा–38(2) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2010
परिवाद संख्या 380/2017

पूजा देवी
बनाम
डा0 बी0के0 श्रीवास्तव आदि

1. मुख्य चिकित्साधिकारी बस्ती

चूंकि आपके विरुद्ध श्री/श्रीमती पूजा देवी ने एक शिकायत प्रार्थना–पत्र (प्रतिलिपि संलग्न है) जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बस्ती के समक्ष दाखिल किया है।

अतः आपको आदेश दिया जाता है कि आप इस शिकायती प्रार्थना–पत्र के सम्बन्ध में जो कुछ कहना चाहते है उसे जिला– उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बस्ती के समक्ष दिनांक 18–04–2024 को पूर्वान्ह 10:00 बजे उक्त न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित उत्तर/प्रतिवाद पत्र प्रस्तुत करें अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में परिवाद एक पक्षीय निर्णीत कर दिया जायेगी।

मेरे समक्ष एवं आयोग के मुद्रा सहित आज दिनांक 01–04–2024 को जारी किया गया।

आज्ञा से
अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बस्ती।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल अनुक्रमांक 2204181 वर्ष 2017 का अंक पत्र, सह अंक पत्र (सनद) वास्तव में खो गया है।

(किशन कुमार)
पुत्र श्री तुलाराम
ग्राम–डारीडीहा
पोस्ट– मिश्रौलिया
जनपद– बस्ती
मो0 9696089672

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अन्तर्गत धारा 9A(2) (कायमी)
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी महोदय (आर) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अरूणेश कुमार सिंह आदि
बनाम
सरकार आदि

बाबत मौजा पोखरा मय हसनपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

1. अरूणेश कुमार सिंह 2. अखिलेश सिंह पुत्रगण सन्तोष सिंह 3. आशा देवी पत्नी सन्तोष सिंह 4. पूजा देवी पुत्री सन्तोष सिंह 5. चेनरा देवी पत्नी राम औतार 6. राम प्रसाद 7. शीतल 8. तीरथ पुत्रगण ढोढ़े 9. कंचन पत्नी शिवहरख 10. राजेन्द्र प्रसाद 11. राजदेव 12. राजीव 13. रामजी पुत्रगण गंगाराम साकिनान ग्राम पोखरा मय हसनपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 14. सरोज मिश्र पत्नी प्रवीन कुमार मिश्रा निवासिनी ग्राम बनकटा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 15. प्रवीन कुमार त्रिपाठी पुत्र परशुराम 16. महातम पत्नी मानिक चन्द्र साकिनान ग्राम ऐठीडीह तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 17. मुक्तनाथ पुत्र घिसियावन निवासी ग्राम रमवापुर्द तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 18. कुसुम देवी पत्नी रामनैन निवासिनी ग्राम खपड़ही तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–04–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिर के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 219/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

राम पवित्र आदि
बनाम
श्याम सुन्दर आदि

1.श्याम सुन्दर उम्र 42 साल पुत्र उदयराज 2. रामाराम उम्र 60 साल पुत्र भद्दई 3. गंगाराम उम्र 58 साल पुत्र भद्दई साकिनान मौजा पिपराजप्ती पोस्ट संस्सारपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4. शिवम् उम्र 24 साल पुत्र स्व0 रामचेत 5. सुन्दरम् उम्र 22 साल पुत्र स्व0 रामचेत 6. राधेश्याम उम्र 56 साल पुत्र बृजलाल 7. विशुनदेव उम्र 56 साल पुत्र बृजलाल 8. रमेशचन्द्र उम्र 52 साल पुत्र बृजलाल साकिनान मौजा पिपराजप्ती पोस्ट संस्सारपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 14–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 11/2024
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

पद्मावती सिंह आदि
बनाम
मोहम्मद इकबाल

1. मोहम्मद इकबाल आयु करीब 50 साल पुत्र मोहम्मद वैस साकिन डारीडीहा पोस्ट मिश्रौलिया तप्पा देवरांव परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम के0 76 टेलीफोन आफिस के पास कीरत नगर कालोनी लखीमपुरखीरी

तारीख पेशी 07–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com